PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 278 ● भिलाई, शनिवार 16 मई 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

भारत और यूएई ने ऊर्जा, रक्षा, प्रौद्योगिकी और आर्थिक क्षेत्रों में छह समझौतों पर हस्ताक्षर किये

अबू धाब्बी। भारत और संयुक्त अरब अमीरात ने रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत बनाने के लिए ऊर्जा, रक्षा, समुद्री, प्रौद्योगिकी और आर्थिक क्षेत्रों में छह समझौतों और समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किये। अमीरात ने भारत में पांच अरब डॉलर के निवेश की भी घोषणा की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद जायेद अल नहयान के साथ यहां द्विपक्षीय वार्ता के बाद इन समझौतों पर हस्ताक्षर किये गये। इनमें इंडियन स्ट्रैटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व्स लिमिटेड (आईएसपीआरएल) और अबू धाबी नेशनल ऑयल कंपनी (एडीएनओसी) ने भारत में विशाखापतनम और चांदीकोल में तीन करोड़ बैरल तक कच्चे तेल के भंडारण की संभावनाओं, यूएई के फुजैरा में भंडारण और भारत में एलएनजी तथा एलपीजी भंडारण में सहयोग पर समझौता प्रमुख है। भारत की इंडियन ऑयल लिमिटेड (आईओसीएल) और अमीरात की एडीएनओसी ने एलपीजी आपूर्ति पर रणनीतिक सहयोग पर भी समझौता किया, जिसमें दीर्घकालिक आपूर्ति और खरीद समझौतों की संभावनाओं का पता लगाया जाएगा। रक्षा क्षेत्र में दोनों देशों ने औद्योगिक सहयोग, उन्नत प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण, विशेष संचालन, समुद्री सुरक्षा, साइबर रक्षा और सुरक्षित संचार के लिए ढांचा स्थापित किया, ताकि आपसी सहयोग और रणनीतिक सामंजस्य बढ़ाया जा सके। कोचिन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) और ड्राईडॉक्स वर्ल्ड (डीडीडब्ल्यू) ने वाढ़ीनार में शिप रिपेयर क्लस्टर स्थापित करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जिसमें ऑफशोर फैब्रिकेशन शामिल है। इसके अलावा, कोचिन शिपयार्ड, ड्राईडॉक्स वर्ल्ड और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन मेरिटाइम एंड शिपबिल्डिंग (सीईएमएस) के बीच त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन भारतीय समुद्री कार्यबल को प्रशिक्षित और रोजगार देने का ढांचा तैयार करेगा और भारत को शिपबिल्डिंग और शिप रिपेयर पेशेवरों के लिए एक केंद्र के रूप में स्थापित करेगा। प्रौद्योगिकी क्षेत्र में भारत के सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कंप्यूटिंग (सीडैक), और यूएई के जी-42 ने भारत के एआई मिशन के हिस्से के रूप में 8 एक्साफ्लॉप सुपर कंप्यूटिंग क्लस्टर स्थापित करने पर समझौता किया। यूएई के निवेशकों ने भी वित्तीय प्रतिबद्धताओं की घोषणा की जिनमें अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी (एडीआईए) और भारत के नेशनल इंफ्रास्ट्रक्चर एंड इन्वेस्टमेंट फंड (एनआईआईएफ) द्वारा इंफ्रास्ट्रक्चर में एक अरब डॉलर तक निवेश, एमिरेट्स न्यू डेवलपमेंट बैंक (ईएनबीडी) द्वारा आरबीएल बैंक ऑफ़इंडिया में तीन अरब डॉलर का निवेश और इंटरनेशनल होल्डिंग कंपनी द्वारा सममान कैपिटल ऑफ़ इंडिया में एक अरब डॉलर का निवेश शामिल है।

इन समझौतों और निवेश से दोनों देशों के आर्थिक और रणनीतिक संबंध गहरे होंगे। इसके साथ ही भारत की ऊर्जा और रक्षा क्षमताओं को बढ़ाने और प्रौद्योगिकी तथा समुद्री क्षेत्र में विकास को भी बढ़ावा मिलेगा।

सीएम साय ने आईजेकेवी के स्टूडेंट्स को बांटी डिग्रियां

रायपुर। सीएम साय ने आईजेकेवी के स्टूडेंट्स को डिग्रियां बांटी। उन्होंने पोस्ट में बताया, राज्यपाल रमेन डेका के साथ रायपुर स्थित कृषि महाविद्यालय के एकादश दीक्षांत समारोह में सम्मिलित होकर विद्यार्थियों की प्रतिभा, परिश्रम और उज्ज्वल भविष्य से जुड़े गौरवपूर्ण अवसर का साक्षी बना। इस दौरान प्रदेश के कृषि मंत्री रामविचार नेताम भी उपस्थित रहे। यह समारोह केवल शैक्षणिक सफलता का उत्सव नहीं, बल्कि कृषि, अनुसंधान और नवाचार के माध्यम से प्रदेश और देश के भविष्य निर्माण के संकल्प का भी प्रतीक रहा। मुझे विश्वास है कि आज डिग्री प्राप्त करने वाले हमारे ये युवा आधुनिक सोच, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और नई तकनीकों के साथ कृषि क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव के वाहक बनेंगे।

कांकेर में साढ़े छह लाख के नकली नोट बरामद

कांकेर। जिले में पुलिस ने साढ़े छह लाख के नकली नोट बरामद कर एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने यह जानकारी मीडिया को दी। पुलिस ने बताया कि आरोपी युवक पर भारी कर्ज था और वह नशे का आदी बताया जा रहा है। कर्ज से छुटकारा पाने के लिए उसने अपने ही घर में नकली नोट छापने का कारोबार शुरू कर दिया। पुलिस के अनुसार मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। पुलिस को सूचना मिली थी कि शहर के नए बस स्टैंड में एक युवक संदिग्ध अवस्था में घूम रहा है। सूचना के बाद पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर युवक को हिरासत में लिया। तलाशी के दौरान उसके बैग से भारी मात्रा में नोट नकली पाए गए। पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया कि उस पर लाखों रुपये का कर्ज था और नशे की लत के कारण उसकी आर्थिक स्थिति खराब हो गई थी। इसी कारण उसने घर में प्रिंटर और अन्य उपकरणों की व्यवस्था कर नकली नोट छापना शुरू किया। आरोपी बस स्टैंड में इन नोटों को खपाने की तैयारी में था, तभी पुलिस ने उसे पकड़ लिया। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि आरोपी ने नकली नोट छापने की तकनीक कहां से सीखी और इस गिरोह में उसके साथ और कौन-कौन लोग शामिल हैं।

ईरान होर्मुज का रक्षक, सभी के लिए खुला, केवल उन देशों के लिए बंद जो ईरान के साथ युद्ध में: अराघची

नयी दिल्ली। पश्चिम एशिया में होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर चल रही रस्साकशी के बीच ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि ईरान हमेशा होर्मुज़ की सुरक्षा के रक्षक के रूप में अपना ऐतिहासिक कर्तव्य निभाता रहेगा और होर्मुज सभी जहाजों के नौवहन के लिए खुला है लेकिन यह उन देशों के जहाजों के लिए यह बंद रहेगा जो ईरान के साथ युद्ध में हैं।

ब्रिक्स बैठक में भाग लेने यहां आये अराघची ने बैठक से इतर विदेश मंत्री डा एस जयशंकर के साथ वार्ता की। बाद में उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, मेरे दोस्त डा जयशंकर के साथ सार्थक बातचीत में, क्षेत्रीय घटनाक्रमों पर चर्चा की और स्पष्ट किया कि ईरान हमेशा होर्मुज़ की सुरक्षा के रक्षक के रूप में अपना ऐतिहासिक कर्तव्य निभाएगा। ईरान सभी मित्र देशों का एक विश्वसनीय भागीदार है।

नीट-यूजी की 21 जून को होगी दोबारा परीक्षा 14 जून तक जारी होंगे एडमिट कार्ड : प्रधान

नयी दिल्ली। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने घोषणा की है कि नीट-यूजी की दोबारा परीक्षा 21 जून को आयोजित की जाएगी और छात्रों को 14 जून तक प्रवेश पत्र जारी कर दिए जाएंगे। प्रधान ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अगले वर्ष से नीट परीक्षा ओएमआर शीट के बजाय कंप्यूटर आधारित मोड में कराई जाएगी। साथ ही इस बार दोबारा परीक्षा देने वाले छात्रों को अपनी सुविधा के अनुसार परीक्षा शहर चुनने के लिए एक सप्ताह का समय दिया जाएगा, ताकि उन्हें यात्रा और अन्य परेशानियों का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि तीन मई को आयोजित परीक्षा के बाद सात मई को कुछ शिकायतें सामने आई थीं, जिसके बाद सरकार ने तत्काल जांच शुरू कर दी। जांच में 12 मई तक यह स्पष्ट हो गया कि 'गेस पेपर' के नाम पर असली प्रश्नपत्र के सवाल बाहर पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि सरकार नहीं चाहती कि शिक्षा माफिया की वजह से किसी मेहनती और ईमानदार छात्र का भविष्य प्रभावित हो। उन्होंने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच सीबीआई को सौंप दी गई है। परीक्षा माफियाओं के खिलाफ सरकार की लड़ाई जारी रहेगी और इस बार जांच एजेंसियां पूरी सख्ती से कार्रवाई करेंगी। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि परीक्षा में गड़बड़ी करने वालों को कठोर दंड भुगतना पड़ेगा। केंद्रीय मंत्री ने सोशल मीडिया पर फैल रही अफवाहों और भ्रामक सूचनाओं से सावधान रहने की अपील भी की।

उन्होंने कहा कि डिजिटल युग में फर्जी खबरें बड़ी चुनौती बन चुकी हैं, इसलिए छात्र और अभिभावक केवल सरकार या एनटीए की ओर से जारी आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करें।

पेट्रोले-डीजल के दाम 3 रुपये प्रति लीटर बढ़े

नयी दिल्ली। तेल विपणन कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में तीन-तीन रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी कर दी। देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन से प्राप्त जानकारी के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में गैर-ब्रांडेड डीजल 90.67 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

पहले इसकी कीमत 87.67 रुपये प्रति लीटर थी। इसी प्रकार एक लीटर पेट्रोल की कीमत तीन रुपये बढ़ाकर 97.77 रुपये कर दी गयी है। कंपनी ने अपने ब्रांडेड (प्रीमियम) पेट्रोल एक्सपी95 की कीमत 2.99 रुपये बढ़ाकर 104.88 रुपये प्रति लीटर और ब्रांडेड डीजल एक्सजी की कीमत तीन रुपये बढ़ाकर 95.95 रुपये प्रति लीटर कर दी है। गत 28 फरवरी को पश्चिम एशिया संकट शुरू होने के बाद ब्रांडेड डीजल की कीमत दूसरी बार बढ़ाई गयी है। इससे पहले मार्च में इसमें दो रुपये प्रति लीटर की वृद्धि की गयी थी।

तेल कीमतों में उछालः रायपुर में पेट्रोल 103 रुपये के पार, डीजल भी महंगा

रायपुर। देशभर में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में करीब 3 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी का असर अब छत्तीसगढ़ में भी साफ दिखाई देने लगा है। राजधानी रायपुर में पेट्रोल की कीमत 100.45 रुपये से बढ़कर 103 रुपये प्रति लीटर के पार पहुंच गई है, जबकि डीजल 93.39 रुपये से बढ़कर लगभग 96.55 रुपये प्रति लीटर हो गया है। ईंधन की कीमतों में अचानक हुई वृद्धि के बाद रायपुर के कई पेट्रोल पंपों पर वाहनों की लंबी कतारें देखने को मिलीं। बड़ी संख्या में लोग अपने दोपहिया और चारपहिया वाहनों में ईंधन भरवाने पहुंचे। आम लोगों ने बढ़ती कीमतों को लेकर चिंता और नाराजगी भी जताई। विशेषज्ञों का मानना है कि पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ने का असर केवल वाहन चालकों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि परिवहन लागत बढ़ने से रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतों में भी बढ़ोतरी हो सकती है। राज्य के भीतर और दूसरे राज्यों तक माल ढुलाई महंगी होने से बाजार पर व्यापक असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि खाड़ी देशों में जारी युद्ध और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के कारण कच्चे तेल की आपूर्ति प्रभावित हुई है। इसी के चलते वैश्विक बाजार में क्रूड ऑयल की कीमतों में तेजी आई है, जिसका प्रभाव भारत समेत कई देशों में देखा जा रहा है। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से पेट्रोल और डीजल के सीमित उपयोग की अपील की है। उन्होंने सार्वजनिक परिवहन और ई-व्हीकल के अधिक उपयोग पर जोर देते हुए कहा कि वैश्विक परिस्थितियों के बीच ईंधन की बचत देशहित में जरूरी है। प्रधानमंत्री की अपील का असर छत्तीसगढ़ में भी देखने को मिल रहा है। मुख्यमंत्री सहित कई मंत्रियों और विधायकों ने अपने काफिलों में वाहनों की संख्या कम की है, वहीं कुछ जनप्रतिनिधि इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग करते नजर आ रहे हैं। केंद्र सरकार ने अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच जारी तनाव को वर्तमान दशक की बड़ी वैश्विक चुनौतियों में शामिल बताया है।

प्रदेश में पेट्रोल-डीजल का पर्याप्त भंडारणः अफवाहों से दूर रहें, आवश्यकता अनुसार ही ईंधन लें : मुख्यमंत्री विष्णुदेव

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रदेशवासियों से पेट्रोल एवं डीजल की उपलब्धता को लेकर किसी भी प्रकार की चिंता न करने की अपील की है। उन्होंने कहा है कि छत्तीसगढ़ में पेट्रोल एवं डीजल का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है तथा प्रदेश के सभी ऑयल डिपो में नियमित रूप से ईंधन की आपूर्ति की जा रही है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रदेश सरकार एवं ऑयल कंपनियां पूर्ण समन्वय के साथ स्थिति पर लगातार निगरानी बनाए हुए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि वैश्विक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए भी भारत सरकार द्वारा प्रभावी तैयारियां सुनिश्चित की गई हैं और ईंधन आपूर्ति को लेकर किसी प्रकार की समस्या नहीं है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी देशवासियों से अनावश्यक खरीदारी एवं संग्रहण से बचने तथा किसी भी अफवाह पर ध्यान न देने की अपील की है। मुख्यमंत्री साय ने प्रदेशवासियों से आग्रह किया कि वे संयम, जागरूकता और जिम्मेदारी का परिचय दें। केवल आवश्यकता अनुसार ही ईंधन लें तथा किसी भी भ्रामक सूचना या अफवाह से दूर रहें। उन्होंने कहा कि आपकी सजगता, संयम और सहयोग से छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश की ईंधन व्यवस्था निरंतर सुचारू बनी रहेगी। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हम सभी मिलकर जिम्मेदार नागरिक होने का परिचय दें और संयम, सहयोग तथा सकारात्मक सोच के साथ राष्ट्रहित में अपना योगदान सुनिश्चित करें।

सरकार ने कहा व्यवस्था सुधारने नियुक्त करेंगे नोडल अधिकारी

हाईकोर्ट ने पूछा- गोधाम के बावजूद सड़कों पर मवेशी क्यो?

बिलासपुर। जिले के लाखासार गौधाम की अव्यवस्थाओं को लेकर चल रही सुनवाई के दौरान राज्य शासन ने हाईकोर्ट में अपना जवाब प्रस्तुत किया। शासन की ओर से कोर्ट को बताया गया कि गौधाम में मवेशियों के लिए चारे, पानी और रहने की पर्याप्त व्यवस्था उपलब्ध है।

सरकार ने अपने जवाब में यह भी स्पष्ट किया कि गौधाम के एक छोटे कमरे में 205 मवेशियों को ठूंसकर रखने जैसी कोई स्थिति नहीं है।

शासन के अनुसार प्रदेशभर में कुल 142 पंजीकृत गौशालाएं संचालित हैं, जिनमें लगभग 39 हजार मवेशियों को रखा गया है। सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने शासन से सवाल किया कि यदि व्यवस्थाएं पूरी तरह दुरुस्त हैं तो फिर सड़कों पर आवारा मवेशियों का जमावड़ा कम क्यों नहीं हो रहा है। इस पर शासन की ओर से जवाब दिया गया कि व्यवस्था सुधारने और निगरानी के लिए नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की जाएगी। मामले की सुनवाई चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच में हुई। राज्य शासन ने शपथ पत्र में बताया कि प्रदेश में 142 रजिस्टर्ड गौशालाएं संचालित हैं, जिनमें करीब 39 हजार मवेशियों को रखा गया है। हालांकि राज्य सरकार के जवाब के बाद भी हाईकोर्ट ने मामले को बंद नहीं किया। डिवीजन बेंच ने कहा कि बार-बार यह बात सामने आ रही है कि गोधाम बनने के बावजूद मवेशी सार्वजनिक स्थानों पर घूम रहे हैं। इससे स्पष्ट होता है कि जिम्मेदार पक्षों की ओर से किए गए इंतजाम अब भी पर्याप्त नहीं हैं।

मामले की अगली सुनवाई जुलाई में होगी। सरकार ने बताया कि 7 नवंबर 2025 को जारी आदेश के तहत विशेष नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। इन अधिकारियों की जिम्मेदारी जिला प्रशासन और पशुपालन विभाग के बीच समन्वय स्थापित करना है, ताकि छत्तीसगढ़ कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम, 2004 के तहत जब्त और आवारा मवेशियों का बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित किया जा सके। सरकार ने जिला प्रशासन को पशुपालन विभाग के साथ मिलकर यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं कि गौधामों में रखे गए मवेशियों को सिर्फ छत ही नहीं, बल्कि चारा, पानी और अन्य बुनियादी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएं।

जवाबदेही तय करने के लिए अब पशुपालन विभाग के संचालक को हर महीने प्रोग्रेस रिपोर्ट भेजना अनिवार्य किया गया है।

मध्यप्रदेश- छत्तीसगढ़ के बीच बढ़ेगी रोड़ कनेक्टिविटी

भोपाल। मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के बीच रोड़ कनेक्टिविटी बढ़ेगी। इससे मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़ के बीच सड़क परिवहन को रफ्तार मिलेगी। इसी कड़ी में जबलपुर-मंडला-चिल्पी एनएच-30 फोरलेन परियोजना की डीपीआर तैयार हो रही है। इस परियोजना से सुरक्षित यात्रा, बेहतर कनेक्टिविटी, उन्नत यातायात व्यवस्था, वन्यजीव संरक्षण, आधुनिक इंजीनियरिंग एवं क्षेत्रीय विकास को नया आयाम मिलेगा।

परियोजना प्रयागराज जबलपुर-रायपुर कॉरिडोर का हिस्सा

दरअसल राष्ट्रीय राजमार्ग-30 के जबलपुर से चिल्पी (मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ सीमा) तक लगभग 160 किलोमीटर का एक मार्ग तैयार होगा। मार्ग को 2-लेन से अत्याधुनिक 4-लेन कॉरिडोर में विकसित करने का रोड मैप तैयार हो रहा है। परियोजना प्रयागराज जबलपुर-रायपुर कॉरिडोर का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

अंडरपास और वाइल्डलाइफ क्रॉसिंग

प्रोजेक्ट डायरेक्टर अमृत लाल साहू ने बताया कि फोकस सड़क सुरक्षा पर है, नाग घाट, भवाल घाट और चिल्पी घाट के खतरनाक मोड़ों को सुधारा जाएगा और ब्लैकस्पॉट्स खत्म किए जाएंगे।

कक्षा 12वीं के परिणाम 2025-26 में विद्यार्थियों ने लहराया उत्कृष्टता का परचम

भाटापारा। शिक्षा, संस्कार एवं उत्कृष्टता के समन्वय का पर्याय बन चुके दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल, भाटापारा-बलौदाबाजार ने एक बार पुनः अपनी गौरवशाली शैक्षणिक परंपरा को साकार करते हुए कक्षा 12वीं परीक्षा परिणाम 2025-26 में अभूतपूर्व सफलता अर्जित की है। विद्यालय के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने शानदार अंक प्राप्त कर न केवल अपने माता-पिता एवं शिक्षकों का मान बढ़ाया, बल्कि सम्पूर्ण क्षेत्र को भी गौरवान्वित किया है। विद्यालय के मेधावी छात्र ओज गहानी (वाणिज्य संकाय) ने 94.4% अंक अर्जित कर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं अनय अग्रवाल (विज्ञान संकाय) ने 87% अंकों के साथ द्वितीय स्थान तथा धैर्य अग्रवाल (वाणिज्य संकाय) ने 86% अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान हासिल किया। इसके अतिरिक्त विद्यालय के अन्य प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सफलता की नई इबारत लिखी। सभी विद्यार्थियों की उल्लेखनीय उपलब्धियाँ विद्यालय की उत्कृष्ट शैक्षणिक व्यवस्था, अनुशासित वातावरण एवं सतत मार्गदर्शन का प्रत्यक्ष प्रमाण हैं। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. योगेश पोपट ने समस्त विद्यार्थियों को शुभाशीष देते हुए कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की अथक मेहनत, शिक्षकों की निष्ठा तथा अभिभावकों के अटूट विश्वास का परिणाम है। उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में निरंतर प्रगति करते रहने हेतु प्रेरित किया। विद्यालय के निदेशकगण अश्वनी शर्मा एवं संदीप गोयल ने भी सभी विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई प्रेषित करते हुए कहा कि दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल सदैव गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, नैतिक मूल्यों एवं आधुनिक शिक्षण पद्धति के माध्यम से विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण हेतु प्रतिबद्ध है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि विद्यालय के विद्यार्थी भविष्य में भी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का परचम लहराएँगे। यह गौरवपूर्ण उपलब्धि सम्पूर्ण विद्यालय परिवार के लिए प्रेरणा, उत्साह एवं गर्व का विषय है। विद्यालय परिवार सभी सफल विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना करता है तथा आशा करता है कि वे जीवन के प्रत्येक आयाम में सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित करेंगे।

प्रक्रिया के बीच 2 माह पहले स्वीकृत आवास का प्रथम किश्त नहीं कालम खोद पैसा के इंतजार में हितग्राही

गरियाबंद। देवभोग नगर पंचायत के करीब 24 हितग्राहियों के मकान स्थल का जियो टैगिंग और कालम खोदने की प्रक्रिया पूरी होने के बावजूद कागजी प्रक्रिया के बीच शुरुवात में लटक गया है पिछले 50 दिन से हितग्राही स्वीकृत पीएम आवास की प्रथम किस्त के लिए दर दर भटक रहे हैं कभी सीएमओ के दरवाजे पर माथा टेक रहे हैं तो कभी निर्वाचित अध्यक्ष उपाध्यक्ष पार्षद के बीच गुहार लगाते नजर आते है फिर भी प्रथम किस्त राशि डालने के दस्तावेज हेड कार्यालय भेजने की पहल नहीं हो रही है ऐसे में पीएम आवास हितग्राहियों को चिंता सताने लगी है क्योंकि वर्तमान में खोदे गए कालम पर बार बार पानी भरने के साथ साथ आगामी 15 जून से रेत मिलना मुश्किल होगा ऐसे स्थिति में तय समय सीमा के भीतर आवास को पूरा करना नामुमकिन है हितग्राहियों का कहना है कि शासन के निर्देशानुसार उन्होंने मकान निर्माण के लिए जमीन पर गड्ढा खोद लिया जियो टैगिंग भी करवा दी गई लेकिन कई सप्ताह बीत जाने के बाद भी खाते में पहली किस्त नहीं पहुंची जिसका कारण नगर पंचायत में फाइल कागजी प्रक्रिया में अटकने को माना जाता जानकारो का कहना है की पहले पीएम आवास स्वीकृत होता है उसके बाद नगर पंचायत से हितग्राहियों को आदेश दिया जाता है फिर जियो टैगिंग करते कागजी दस्तावेज को रायपुर ज्वाइंट डारेक्टर के पास भेजा जाता है उसके पश्चात ऑनलाइन हितग्राही के खाते में राशि डालने की बात कही जाती हैं लेकिन उक्त प्रक्रिया को अब तक पूरा नही किया है शायद यही वजह है कि 50 दिन से अधिक समय बीतने के बाद भी हितग्राहियों को आवास का प्रथम किस्त नहीं मिल पाया है इसलिए रोजाना कमाकर कर घर परिवार का भरण पोषण करने वाले गरीब हितग्राही सीएमओ निर्वाचित प्रतिनिधियों के पीछे चक्कर काटने को मजबूर हैं मतलब इस वर्ष भी उक्त गरीब हितग्राहियों को पक्का मकान नसीब नही होगा ।

जिम्मेदारों की लापरवाही से बोनस से वंचित होंगे लाभर्थी

सबसे अच्छी बात तो यह है कि सरकार द्वारा बोनस का प्रावधान रखा है की अगर कोई हितग्राही 18 माह के पूर्व आवास कर लेता है तो गृह प्रवेश के लिए 32 हज़ार बोनस के रूप देने की बात कही जाती है लेकिन ऐसे बोनस से देवभोग नगर पंचायत के हितग्राही वंचित होने की पूरी संभावना है क्योंकि दिनों दिन बीत रहा है लेकिन प्रथम किस्त डालने की आश्वासन के अलावा कुछ नहीं मिल रहा है कभी एक सप्ताह में राशि आने का भरोसा देते हैं तो कभी और दूसरा कारण बताकर टालमटोल करते इसलिए स्थानीय नगर पंचायत अधिकारियों से भरोसा उठने की बात भी कुछ हितग्राही करते है ।

कल कलेक्टर से लगाएंगे गुहार

मुंगझर में आयोजित सुशासन त्योहार में कलेक्टर की आगमन होती है तब कुछ हितग्राही शिकायत दर्ज कराने की बात कह रहे हैं क्योंकि आवास के लिए जितना राशि स्वीकृत है उतना ही राशि प्राप्त होगा जबकि जमीनी स्तर पर दिनों दिन रेत सीमेंट छड़ गिट्टी के दाम बढ़ने के साथ मिस्त्री का मिलना मुश्किल होगा और यह स्थिति से स्थानीय अधिकारी भी अवगत है फिर भी कोई पहल नही हुआ ऐसे में सुशासन में बैठे उन्ही अधिकारियों को शिकायत कर कोई निष्कर्ष नहीं होने की बात कहते सौधा कलेक्टर से शिकायत करने की मंशा में है क्योंकि गरीब हितग्राहियों के परेशानी का एहसास नगर पंचायत के अधिकारियों को बिल्कुल भी नहीं है हालांकि नगर पंचायत सीएमओ का कहना है कि सीएल टीसी नियुक्त नहीं होने के कारण मामला पेंडिंग बताया जाता है।

तपस्वी विराग मुनि म.सा.आदि ठाणा का मंगलमय धमतरी आगमन

धमतरी। मई के इस भीषण गर्मी में बस्तर से विहार कर धमतरी पहुंचने वाले तपस्वी विराग मुनि म.सा. आदि ठाणा का नगर आगमन हुआ। मकई चौक में बैंड-बाजे के साथ संघ की उपस्थिति में महावीर के जयघोष के साथ म.सा. ईतवारी बाजार स्थित पार्श्वनाथ जिनालय पहुंचे जहां धर्मप्रेमी भक्तों द्वारा उनका स्वागत किया गया। वहीं नगर के प्रथम नागरिक महापौर रामू रोहरा भी सुबह 6 बजे राजाराव पठार पहुंचकर विहार सेवा में शामिल हुए। सभी ने गुरूदेव के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लिये और नगर आगमन पर प्रसन्नता व्यक्त की। व्याख्यान वाचस्पति जयानंद मुनि महाराज के शिष्य रत्न गणाधीश पन्यास प्रवर विनय कुशल मुनि गणि, नन्दीसेन मुनि महाराज, पन्यास प्रवर वीरभद्र मुनि गणि विराग मुनि, भव्य मुनि महाराज, सोमभद्र मुनि महाराज, सुहस्ती भद्र मुनि महाराज, शतावधानी बालमुनि हंसभद्र महाराज का धमतरी की धन्यधरा में आगमन हुआ। आज वीरभद्र मुनि गणि महाराज का 134 उपवास है। वीरभद्र मुनि गणि ने प्रवचन के माध्यम से फरमाया कि जीवन में सुख पाने के लिए परमात्मा ने जो धर्म का मार्ग बताया और उस मार्ग को जिसने समझ लिए वो सुखी हो गया और जो नहीं समझ पाया वो सुखी नहीं हो पाया। मंदिर जाना, दान देना, तपस्या करना ये सब केवल धार्मिक क्रिया है। सच तो ये है कि हम धर्म के वास्तविक स्वरूप को नहीं समझ पाए। हम व्यापार में हर साल आर्थिक स्थिति की जानकारी के लिए बैलेंस शीट बनाते है। लेकिन आज तक आत्मा के विकास के लिए बैलेंस शीट नहीं बना पाए। आज हमें वास्तव में धर्म क्या है ये समझने का प्रयास करना है। जो एक बार धर्म के मर्म को समझ जाएगा उसे कहीं और सुख मिल ही नहीं सकता किन्तु आज हमें धर्म के स्थान पर धन में सुख और धन से सुख प्राप्त करने का प्रयास करते है। आज हम दुख को दबाना ही सुख मानते है, जबकि वास्तव में जो लगातार बढ़ते जाए वो सुख है। आज हमें ये धर्म सहज ही प्राप्त हो गया है इसलिए हम इसका महत्व नहीं समझ पा रहे है। धर्म किसी भी क्रिया से अलग है। ज्ञानी भगवंत कहते है ज्ञान क्रियाभ्यम मोक्षः। अर्थात ज्ञान और क्रिया मिलकर ही मोक्ष दिला सकती है। लेकिन हम केवल क्रिया को ही धर्म मान लेते है यही हमारी नासमझी है। चेहरे में प्रसन्नता और मन में जिज्ञासा हो हमे वास्तविक धर्म तक पहुंचा सकती है। जिस दिन हम पूरी जिज्ञासा के साथ धर्म के मूल तत्व को समझ पाएगे धर्म को प्राप्त करने का पुरुषार्थ कर पाएगे उस दिन जीवन में सुख बढ़ते जाएगा। महाराज साहेब के भव्य नगर प्रवेश के अवसर पर भंवरलाल छाजेड़, जीवनलाल लोढ़ा, लूणकरण गोलछा, पारसमल गोलछा, प्रकाश गुच्छा, अशोक राखेचा, प्रकाश पारख, विनय पारख, महेश सेठिया, अनोप राखेचा, रमन लोढ़ा, धरमचंद पारख, शिशिर सेठिया, ज्ञानचंद बैद, अभय बरडिया, संजय छाजेड़, कुशल चोपड़ा, आकाश गोलछा, अंकित बरडिया, मयूर पारख, गोल्डी कोचर, विजय दुग्ध, आकाश छाजेड़, प्रतीक बैद, हितेश चोपड़ा, आशीष बंगानी, कमलेश भंसाली सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

सुशासन तिहार समाधान शिविर में ग्रामीणों की उमडी भारी भीड़

18 पंचायतों के लोगों ने प्रस्तुत किए आवेदन

सरायपाली। जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम केना हाई स्कूल में आयोजित सुशासन तिहार 2026 समाधान शिविर में ग्रामीणों की भारी भीड़ उमड़ी और जनसमस्याओं का अंबार देखने को मिला। शिविर में 18 ग्राम पंचायतों के लोगों ने अपनी विभिन्न समस्याओं, मांगों और शिकायतों को लेकर प्रशासन के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किए। शिविर के दौरान कुल 1295 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें 1285 मांग संबंधी तथा 10 शिकायत संबंधी आवेदन शामिल रहे। बड़ी संख्या में प्राप्त आवेदनों से ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं और योजनाओं से जुड़ी समस्याएं सामने आईं। समाधान शिविर में विकासखंड स्तर के विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने ग्रामीणों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। शिविर में सड़क, पेयजल, बिजली, प्रधानमंत्री आवास, राशन कार्ड, पेंशन, मनरेगा, राजस्व प्रकरण, भूमि सीमांकन, स्वास्थ्य एवं शिक्षा से संबंधित समस्याओं को लेकर लोगों ने आवेदन सौंपे। अधिकारियों द्वारा प्राप्त आवेदनों को ऑनलाइन दर्ज कर संबंधित विभागों को समय-सीमा में निराकरण के लिए भेजा गया। प्रशासन ने लोगों को आश्वस्त किया कि सभी आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित निराकरण किया जाएगा। शिविर में छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की सदस्य सरला कोसरिया, जनपद पंचायत सरायपाली की अध्यक्ष लक्ष्मी हरिशचंद्र पटेल, उपाध्यक्ष धर्मेंद्र (मुकेश) चौधरी, जिला पंचायत सदस्य लोकनाथ वारी, जनपद सदस्य कुमारी भास्कर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

अकाउंट में अभिषेक को मिला शत् प्रतिशत, सीबीएसई परीक्षा परिणाम घोषित

भंवरपुर। भंवरपुर निवासी एवं डीपीएस रिसाली सेक्टर, भिलाई के छात्र अभिषेक अग्रवाल ने सीबीएसई परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 94.2 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। विशेष उपलब्धि के रूप में अभिषेक ने अकाउंट विषय में शत-प्रतिशत (100%) अंक हासिल कर विद्यालय एवं क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है। अभिषेक की इस सफलता से परिवार और क्षेत्र में खुशी का माहौल है। होनहार छात्र अभिषेक ने अपनी सफलता का श्रेय अपने दादा ईश्वर प्रकाश अग्रवाल को दिया है। उन्होंने बताया कि दादा की प्रेरणा, मार्गदर्शन और आशीर्वाद से उन्हें निरंतर मेहनत करने की प्रेरणा मिली। विद्यालय प्रबंधन एवं शिक्षकों ने अभिषेक की उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। अभिषेक की सफलता से क्षेत्र के अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरणा मिल रही है।

सुशासन तिहार शिविर में तत्काल दूर हुई सुनीता जायसवाल की राशन कार्ड की समस्या

बलौदाबाजार। नगर पालिका भाटापारा अंतर्गत इतवारी राम यादव शासकीय बहुउद्देशीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित 'सुशासन तिहार' शिविर आमजनों की समस्याओं के त्वरित समाधान का सशक्त माध्यम बनकर उभर रहा है। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को सीधे जनता तक पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित इस शिविर में उस वक्त एक सुखद तस्वीर देखने को मिली, जब राशन कार्ड की समस्या को लेकर पहुँची स्थानीय निवासी सुनीता जायसवाल के आवेदन पर प्रशासन ने संवेदनशीलता दिखाते हुए तत्काल कार्रवाई की। अपनी समस्या का समाधान पाकर और मौके पर ही नया राशन कार्ड प्राप्त कर सुनीता जायसवाल के चेहरे पर मुस्कान लौट आई। उन्होंने सरकार की इस पहल की सराहना करते हुए त्वरित समाधान के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का सहृदय आभार व्यक्त किया। उल्लेखनीय है कि सुशासन तिहार के माध्यम से प्रशासन द्वारा एक ही छत के नीचे विभिन्न विभागों की सेवाओं को उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे लोगों को सरकारी कार्यालयों के चक्कर काटने से मुक्ति मिली है। शिविर में प्राप्त होने वाले आवेदनों पर अधिकारी न केवल गंभीरता से विचार कर रहे हैं, बल्कि पात्र हितग्राहियों को मौके पर ही लाभान्वित भी किया जा रहा है। सुनीता जायसवाल का प्रकरण इस बात का प्रमाण है कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार सुशासन की अवधारणा को धरातल पर उतार रही है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मनाया अंतर्राष्ट्रीय नर्सेस दिवस

सरायपाली। खंड चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर कुणाल नायक, खंड विस्तार प्रशिक्षण अधिकारी टी आर घृतलहरे व विकासखंड कार्यक्रम प्रबंधक शीतल सिंह के संयुक्त तत्वावधान में स्वर्गीय मोहनलाल चौधरी सामुदायिक स्वास्थ्य में कार्यरत समस्त नर्सिंग स्टॉफ के उपस्थिति में अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस मनाया गया जहां पर डॉक्टर संजय अग्रवाल द्वारा आधुनिक जगत को नर्सिंग सेवा की जनक फ्लोरेंस नाइटेंगल, जो Lady with the lamp के नाम से भी प्रचलित है जो नर्सिंग सेवा के क्षेत्र में समर्पित होकर,किए गए उनके कार्यों को स्मरण किया गया इस कार्यक्रम का शुभारंभ उनके फोटो के सामने कैंडल जलाकर किया गया। इसी कड़ी में सीएचसी में कार्यरत सभी नर्सेस प्रगति शर्मा, स्मृति ग्वाल, समीर कुमार पटेल, लक्ष्मीकांत लहरे, पुष्पा लहरे, वीणा मेश्राम, मालती नन्द, तिलोत्तमा पटेल, तनुजा रात्रे, निम्मी ध्रुव, अंकिता नंद, सुनीति नायक द्वारा मरीजों को गुणवत्ता पूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने हेतु नर्सिंग प्रतिज्ञा भी लिया गया तथा सभी नर्सेस द्वारा अस्पताल में भर्ती कुपोषित बच्चों, गर्भवती महिलाओं शिशुवती माताओं एवं वार्ड में भर्ती अन्य मरीजों को मिष्ठान्न वितरण किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सीएचसी सरायपाली के समस्त अधिकारी- कर्मचारी डॉ जयप्रकाश नायक, डॉ स्मृति चौधरी, शिम्पी गिरी, प्रदीप साहू, राजकुमार पटेल, अनिल पाढ़ी, नीता बेरा, रेखा सिंग, वर्षा बाघ, सुमित्रा ठाकुर, घनश्याम साहू, त्रिभुवन डडसेना, रोहित चौहान, हेमचंद मांझी, राजीव जायसवाल एवम् चतुर्थ वर्ग कर्मचारियों ने भी अपना विशेष सहयोग प्रदान किया।

सीबीएसई में प्रतिभा पब्लिक की निशा प्रथम एवं प्रिंसी द्वितीय टाप टेन में

सरायपाली। शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए सीबीएसई ने कक्षा 12वीं का परीक्षा परिणाम संपूर्ण देश स्तर पर जारी किए। स्थानीय प्रतिभा पब्लिक स्कूल बालसी का परीक्षा परिणाम 99% रहा वाणिज्य एवं विज्ञान विषय में कुल 74 विद्यार्थी परीक्षा में बैठे थे, जिसमें 66 विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी में तथा 07 विद्यार्थी द्वितीय श्रेणी में उत्तीर्ण किया। टॉप टेन में निशा सोनी 97% प्रथम स्थान, प्रिंसी मित्तल 96% द्वितीय स्थान, आस्था अग्रवाल (वाणिज्य) एवं कुमकुम तिवारी(विज्ञान) ने 93.2% प्राप्त कर सामूहिक रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किए, आर्यन सलूजा 93% चतुर्थ स्थान, अंशिका अग्रवाल 92% पंचम स्थान, सांची अग्रवाल (विज्ञान) 90% छठे स्थान पर, सहाना बानो 89.6 प्रतिशत सातवें स्थान पर, राखी पटेल 88.4 प्रतिशत आठवें स्थान पर अंशिका अग्रवाल 87.6% नवमें स्थान पर एवं प्रियंका शर्मा 86.4% दसवे स्थान पर उत्तीर्ण कर शाला एवं शहर का नाम रोशन किए हैं। विदित हो शेष आठ विद्यार्थी वाणिज्य संकाय से है। इस अवसर पर प्राचार्य नरहरि पटनायक उप प्राचार्य नासिर खान समिति अध्यक्ष नरेश अग्रवाल के साथ संचालक डॉक्टर आभास अग्रवाल एवं समस्त शाला परिवार ने हर्ष व्यक्त करते हुए इनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

नई रेल लाइन परियोजना को गति देने सांसद रूपकुमारी चौधरी से महत्वपूर्ण चर्चा एवं सौंपा ज्ञापन

सरायपाली। प्रस्तावित रायपुर-संबलपुर 276/270 किलोमीटर नई रेल लाइन परियोजना के आगामी चरणों में शीघ्र डीपीआर निर्माण, स्वीकृति, अनुमोदन एवं कार्यारंभ सुनिश्चित कराने हेतु एक महत्वपूर्ण ज्ञापन सुनील कुमार, तिलक प्रसाद साहू एवं विवेक कर शर्मा द्वारा भारतीय जनता पार्टी जिला संगठन महामंत्री जितेंद्र कुमार त्रिपाठी के साथ सांसद रूपकुमारी चौधरी को सौंपा गया। ज्ञापन सौंपने के दौरान परियोजना के सामाजिक, आर्थिक एवं क्षेत्रीय महत्व पर विस्तृत एवं सकारात्मक चर्चा हुई। सांसद ने बताया कि पूर्व तट रेलवे की झारसुगुड़ा बैठक में भी इस बहुप्रतीक्षित परियोजना के सफल क्रियान्वयन हेतु रेलवे अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देकर कार्य को गति प्रदान करने पर बल दिया गया था। उक्त बैठक में केंद्रीय शिक्षा मंत्री एवं संबलपुर सांसद धर्मेंद्र प्रधान भी उपस्थित रहे तथा उन्होंने भी परियोजना के महत्व पर विशेष प्रकाश डाला। प्रतिनिधिमंडल द्वारा अवगत कराया गया कि रेल मंत्रालय एवं रेलवे बोर्ड द्वारा अंतिम स्थान निर्धारण सर्वेक्षण पूर्ण किया जा चुका है तथा डीपीआर निर्माण कार्य वर्तमान में प्रगतिरत है। ज्ञापन के माध्यम से आगामी सभी प्रशासनिक एवं तकनीकी प्रक्रियाओं को शीघ्र पूर्ण कर परियोजना के सफल क्रियान्वयन हेतु विनम्र आग्रह किया गया। साथ ही अब तक प्राप्त प्रगति एवं सकारात्मक पहल के लिए आभार भी व्यक्त किया गया। इस दौरान सांसद रूपकुमारी चौधरी की परियोजना के प्रति गंभीर रुचि, आत्मीयता एवं सकारात्मक प्रतिबद्धता स्पष्ट रूप से दृष्टिगोचर हुई, जिससे क्षेत्रवासियों में नई आशा एवं विश्वास का संचार हुआ। प्रस्तावित रायपुर-संबलपुर नई रेल लाइन परियोजना केवल एक रेल मार्ग नहीं, बल्कि रेलविहीन क्षेत्रों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने, व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं रोजगार के नए द्वार खोलने तथा जनभावनाओं को साकार करने वाला एक ऐतिहासिक विकास सेतु सिद्ध होगा।

ग्राम नवागांव जंगलोर मार्ग में लूटपाट करने वाला फरार आरोपी अमन खंडेलवाल को पुलिस ने किया गिरफ्तार

बलौदाबाजार। प्रार्थी चंद्रभान आवडे निवासी ग्राम भोरिंग जिला महासमुंद द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराया गया कि वह अपनी बेटी से मिलने ग्राम नवागांव आ रहा था। कि ग्राम जंगलोर के पास पहुंचने पर रास्ता भटकने पर वह पास ही खड़े आरोपियों से नवागांव का रास्ता पूछने के लिए रुका, जिस पर आरोपियों द्वारा प्रार्थी को रास्ता बताने के नाम पर एक मोटरसाइकिल में बैठकर अपने पीछे-पीछे आने के लिए बोला गया। तत्पश्चात आरोपियों द्वारा ग्राम नवागांव जाते समय रात्रि 23:30 बजे जंगलोर के गौटिया तालाब के पास रुककर प्रार्थी को डरा धमकाकर, बेल्ट से मारपीट कर प्रार्थी का मोबाइल एवं नगदी 8000 लूट कर फरार हो गए। कि रिपोर्ट पर अपराध क्र. 201/2026 धारा 309(6) बीएनएस का प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए बीट प्रणाली के तहत प्रभावी आसूचना संकलन करते हुए 02 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था, किंतु प्रकरण में एक आरोपी फरार हो गया था, जिसकी सरगर्मी से पता तलाश किया जा रहा था। प्रकरण में पुलिस अधीक्षक ओ.पी.शर्मा के कुशल निर्देशन में थाना पलारी पुलिस द्वारा फरार आरोपी के मिलने के हर संभावित ठिकाने पर लगातार दबिश दिया जा रहा था, कि इसी बीच लगातार प्रयास करते हुए पुलिस द्वारा फरार आरोपी अमन कुमार खंडेलवाल को हिरासत में लिया गया, जिससे पुछताछ करने पर आरोपी द्वारा पूर्व में गिरफ्तार अपने अन्य दो साथियों के साथ मिलकर प्रार्थी के साथ मारपीट करते हुए लूट करना स्वीकार किया गया तथा प्रकरण में आरोपी से लूट का रकम 2000 जप्त किया गया है। संपूर्ण प्रकरण में पुलिस द्वारा सभी 03 आरोपियों को गिरफ्तार कर, आरोपियों से लूट का मोबाइल, 3000 नगदी एवं आरोपियों से घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल सीजी 22 एई 6081 जप्त किया गया है, तथा प्रकरण में आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने की प्रक्रिया की गई।

जिला चिकित्सक प्रकोष्ठ संयोजक बने हेमंत साहू

बलौदाबाजार। जिला साहू संघ बलौदाबाजार की वर्ष 2026 की नवीन कार्यकारिणी घोषित की गई है। समाज के सक्रिय एवं समर्पित कार्यकर्ता हेमंत साहू को संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देते हुए जिला चिकित्सक प्रकोष्ठ संयोजक नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति से समाजजनों में हर्ष का वातावरण है। हेमंत साहू ने इस महत्वपूर्ण दायित्व के लिए जिला साहू संघ बलौदाबाजार के जिला अध्यक्ष सुनील कुमार साहू, उपाध्यक्ष रामनाथ साहू, उपाध्यक्ष संध्या/राजेश साहू, संगठन सचिव सुशील कुमार साहू एवं संगठन सचिव अनुपा साहू सहित समस्त पदाधिकारियों और समाजजनों के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि संगठन द्वारा उन पर जताए गए विश्वास पर वे पूरी निष्ठा, ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ खरा उतरने का प्रयास करेंगे तथा समाज के स्वास्थ्य जागरूकता, सेवा कार्यों और सामाजिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। जिला साहू संघ की नवीन कार्यकारिणी में संरक्षक मंडल में रेवाराम साहू, कार्यकारिणी सदस्य के रूप में दीनदयाल साहू, महासचिव रवि साहू एवं कौता महेंद्र साहू, कोषाध्यक्ष वीरेंद्र साहू, अंकेक्षक भोला साहू, मीडिया प्रभारी केशव साहू, परिवार काउंसिलिंग प्रभारी टिकाराम साहू तथा कार्यालय प्रभारी मोहन साहू सहित विभिन्न प्रकोष्ठों के संयोजकों की नियुक्ति की गई है। हेमंत साहू की नियुक्ति को समाज के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताते हुए समाजजनों ने विश्वास जताया है कि उनके नेतृत्व में जिला चिकित्सक प्रकोष्ठ स्वास्थ्य जागरूकता, चिकित्सा शिविरों और जनसेवा कार्यों के माध्यम से समाज को नई दिशा देगा।

संक्षिप्त समाचार

हर घर पहुँचा जीवनदायी जल : चिन्ताटोकामेटा में जल जीवन मिशन बनी बदलाव की मिसाल

रायपुर। भैरमगढ़ विकासखंड के दूरस्थ ग्राम चिन्ताटोकामेटा में जल जीवन मिशन ने ग्रामीणों के जीवन में ऐतिहासिक परिवर्तन ला दिया है। अब गांव के हर घर तक नल के माध्यम से स्वच्छ पेयजल की नियमित आपूर्ति हो रही है, जिससे वर्षों पुरानी पानी की समस्या का समाधान हो गया है।पहले गांव के लोग एकमात्र हैंडपंप और नदी पर निर्भर थे। पानी भरने के लिए महिलाओं और बच्चों को लंबी कतारों में घंटों इंतजार करना पड़ता था। कई बार दूर नदी से पानी लाना पड़ता था, जिससे समय और श्रम दोनों की बड़ी समस्या बनी रहती थी।जल जीवन मिशन के अंतर्गत गांव के 12 परिवारों को घरेलू नल कनेक्शन उपलब्ध कराए गए हैं। अब प्रत्येक घर तक स्वच्छ पेयजल पहुँचने से ग्रामीणों में खुशी का माहौल है।19 मार्च 2026 को आयोजित जल उत्सव कार्यक्रम के दौरान ग्रामसभा के माध्यम से हर घर जलप्रमाणन भी किया गया। इस अवसर पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों एवं ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों ने ग्रामीणों को जल संरक्षण, जलकर तथा जल आपूर्ति प्रणाली के संचालन-संरक्षण की जानकारी दी।ग्रामीणों ने बताया कि पहले पानी की व्यवस्था करना रोज़ की बड़ी चुनौती थी, लेकिन अब घर पर ही पर्याप्त मात्रा में साफपानी मिलने से जीवन काफी आसान हो गया है।जल जीवन मिशन की यह सफलता केवल पेयजल उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह ग्रामीण सहभागिता, जागरूकता और विकास की नई मिसाल बनकर उभरी है।

केंद्र सरकार द्वारा एमएसपी में वृद्धि का निर्णय किसानों के हित में ऐतिहासिक कदम

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा विपणन वर्ष 2026-27 हेतु 14 खरीफफसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में वृद्धि के निर्णय का स्वागत करते हुए इसे किसानों की आय बढ़ाने, कृषि को लाभकारी बनाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया है।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि धान सहित विभिन्न खरीफ फसलों के एमएसपी में की गई उल्लेखनीय वृद्धि यह स्पष्ट करती है कि केंद्र सरकार किसानों को उनकी मेहनत का उचित मूल्य दिलाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्षों में धान के एमएसपी में हुई ऐतिहासिक बढ़ोतरी किसानों के सम्मान, आत्मविश्वास और समृद्धि को नई मजबूती प्रदान कर रही है।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए देश में सर्वाधिक 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी कर रही है। उन्होंने कहा कि यही कारण है कि प्रदेश में रिकॉर्ड धान खरीदी के साथ किसानों का विश्वास सरकार की किसान हितैषी नीतियों पर लगातार बढ़ा है।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सरकार किसान कल्याण, कृषि उन्नति और ग्रामीण समृद्धि के संकल्प के साथ निरंतर कार्य कर रही है। किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने तथा कृषि क्षेत्र को नई मजबूती देने के लिए केंद्र और राज्य सरकार समन्वय के साथ कार्य कर रही हैं।

जनसमस्याओं के त्वरित समाधान का प्रभावी मंच

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशानुरूप आयोजित 'सुशासन तिहार 2026' आमजन की समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी और संवेदनशील निराकरण का प्रभावी माध्यम बनता जा रहा है। इसी कड़ी में रायपुर जिले के नगर पालिका निगम बीरगांव अंतर्गत आडवाणी ऑरलिकॉन शासकीय उच्चतर माध्यमिक विालय में जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया, जहां मुख्य अतिथि के रूप में महापौर नंदलाल देवांगन उपस्थित रहे। शिविर में मुख्यमंत्री गृह प्रवेश सम्मान निधि योजना के अंतर्गत समयपूर्व प्रधानमंत्री आवास निर्माण पूर्ण करने वाले पांच हितग्राहियों को कुल 32 हजार 850 रुपए की सम्मान निधि प्रदान की गई एवं 7 हितग्राहियों को आय प्रमाण पत्र, 2 हितग्राहियों को निवास प्रमाण पत्र तथा 74 हितग्राहियों का लर्निंग लाइसेंस तत्काल प्रदान किया गया।साथ ही विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एक ही स्थान पर उपस्थित रहकर लोगों की समस्याओं का मौके पर समाधान कर रहे हैं।इस शिविर में कुल 386 आवेदन प्राप्त हुए जिनमें 150 से अधिक आवेदनों का निराकरण किया गया।

पूर्व सरपंच की बेटे ने की हत्या, बीयर बोतल से किया हमला

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के आरंग थाना क्षेत्र में रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आई है। जमीन विवाद और पैसों के लेन-देन को लेकर एक बेटे ने अपने ही पिता की हत्या कर दी। मृतक जहरूराम साहू ग्राम पंचायत चपरीद के पूर्व सरपंच रह चुके थे। पुलिस ने आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मिली जानकारी के अनुसार, 10 मई को दोपहर करीब 3:30 बजे ग्राम चपरीद के मास्टर चौरा के पास जहरूराम साहू कुछ लोगों के साथ बैठे हुए थे।

सुशासन तिहार-जनता के द्वार पहुंची सरकार

संवेदनशील शासन,त्वरित समाधान और जन-विश्वास का नया अध्याय

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में आयोजित सुशासन तिहार अब केवल एक प्रशासनिक औपचारिकता नहीं, बल्कि जन-सरोकारों से जुड़ा एक सशक्त जन-आंदोलन बन चुका है। इस अभियान ने शासन और नागरिकों के बीच विश्वास की एक नई और अटूट कड़ी स्थापित की है। सुदूर वनांचलों से लेकर नगरीय निकायों तक, सरकार स्वयं जनता के द्वार पहुँचकर उनकी समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित कर रही है। सुशासन तिहार की सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि इसने आम आदमी को दफ्तरों के चक्कर काटने की विवशता से मुक्ति दिलाई है। प्रशासन स्वयं गांव-गांव पहुँचकर शिविरों के माध्यम से ग्रामीणों, किसानों, महिलाओं और युवाओं के आवेदन सीधे स्वीकार कर रहा है। इन समाधान शिविरों में बड़ी संख्या में मामलों का मौके पर ही निपटारा किया जा रहा है, जो साय सरकार की अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुँचाने की प्रतिबद्धता का जीवंत प्रमाण है। शिविरों के दौरान प्रशासनिक संवेदनशीलता का अनूठा स्वरूप देखने को मिल रहा है। पेयजल संकट के समाधान हेतु तत्काल नए हैंडपंपों की स्वीकृति हो या अतिरिक्त राशन दुकान, सड़क, बिजली और आवास से जुड़े मामले, निर्णय मौके पर ही लिए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री की स्पष्ट मंशा है कि जन-समस्याओं का समाधान समय-सीमा के भीतर हो। इसी के अनुरूप जिला प्रशासनों को जवाबदेह बनाते हुए अधिकारियों को पारदर्शी कार्यप्रणाली अपनाने हेतु निर्देशित किया गया है।राज्य सरकार की योजनाओं का केंद्र बिंदु समाज का वंचित वर्ग है। प्रधानमंत्री आवास योजना से हजारों परिवारों को पक्की छत मिल रही है। महतारी वंदन योजना के जरिए महिलाओं को आर्थिक संबल प्रदान किया जा रहा है। किसानों को सम्मान निधि, आधुनिक उपकरण और सिंचाई सुविधाओं का लाभ निरंतर मिल रहा है। शिविरों में आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड, किसान किताब और जॉब कार्ड जैसे आवश्यक दस्तावेजों का तत्काल वितरण सरकार की क्रियान्वयन शक्ति को दर्शाता है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कड़ा संदेश दिया है कि जन-समस्याओं के प्रति लापरवाही अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सुशासन तिहार के दौरान अधिकारियों की जवाबदेही तय की गई है। कलेक्टरों और वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा सीधे जनता से संवाद कर समस्याओं का फीडबैक लेना प्रशासनिक पारदर्शिता और जनहित के प्रति उनकी गंभीरता को रेखांकित करता है, जिससे नागरिकों में शासन के प्रति गहरा भरोसा जगा है। इस अभियान ने शासन व्यवस्था को अधिक सहभागी और जन-केंद्रित बनाया है। जनप्रतिनिधियों की सक्रियता और ग्रामीणों की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने सुशासन तिहार को लोकतंत्र के वास्तविक उत्सव में बदल दिया है। यह पहल केवल शिकायतों के निवारण तक सीमित नहीं है, बल्कि नागरिकों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक कर उन्हें विकास की मुख्यधारा में जोड़ने का माध्यम बन रही है। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में सुशासन, पारदर्शिता और जनसेवा छत्तीसगढ़ की सर्वोच्च प्राथमिकता बन गई है।

सुशासन तिहार बना किसानों का वरदान

- महुआ शिविर में 16 किसानों को मिला केसीसी और 7 किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड का लाभ
- कृषकों को मिली आर्थिक मजबूती और वैज्ञानिक खेती की दिशा में नई राह

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में जिलेभर में आयोजित किए जा रहे सुशासन तिहार के अंतर्गत जनपद पंचायत बगीचा के ग्राम महुआ में जन समस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर ग्रामीणों की समस्याओं के त्वरित समाधान के साथ-साथ किसानों को शासन की योजनाओं से सीधे जोड़ने का प्रभावी माध्यम बनकर सामने आया। शिविर में कृषि विभाग द्वारा किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड एवं मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरित किए गए, जिससे किसानों में उत्साह का माहौल देखा गया। शिविर में 16 किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड वितरित किया गया। केसीसी मिलने से किसानों को अब खेती-किसानी के कार्यों के लिए आसानी से ऋण सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। किसानों ने बताया कि पहले खेती के लिए खाद-बीज, दवा एवं अन्य आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था करने में आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ता था, लेकिन अब किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से उन्हें समय पर वित्तीय सहायता मिल सकेगी। इससे खेती की लागत प्रबंधन में सुविधा होगी और साहूकारों पर निर्भरता भी कम होगी। इसी प्रकार कृषि विभाग द्वारा 7 किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड भी प्रदान किए गए। मृदा स्वास्थ्य कार्ड के माध्यम से किसानों को अपनी जमीन की उर्वरा क्षमता, मिट्टी में उपलब्ध पोषक तत्वों तथा आवश्यक उर्वरकों की सही जानकारी मिलेगी। इससे किसान वैज्ञानिक तरीके से खेती कर सकेंगे और आवश्यकता अनुसार खाद एवं उर्वरकों का उपयोग कर उत्पादन बढ़ाने में सफल होंगे।

राष्ट्रीय मांग दिवस पर रायपुर में ट्रेड यूनियनों का प्रदर्शन..

- श्रमिकों की रिहाई, न्यूनतम मजदूरी बढ़ाने और श्रम संहिताएं वापस लेने की मांग

रायपुर। संवाददाता

केंद्रीय ट्रेड यूनियनों और विभिन्न स्वतंत्र संगठनों के संयुक्त आह्वान पर मंगलवार को देशभर में राष्ट्रीय मांग दिवस मनाया गया। इसी क्रम में राजधानी रायपुर के अंबेडकर चौक पर संयुक्त ट्रेड यूनियन मंच के नेतृत्व में श्रमिकों और कर्मचारियों ने विरोध प्रदर्शन कर केंद्र सरकार की श्रम नीतियों के खिलाफ आवाज उठाई। प्रदर्शन के दौरान आयोजित सभा को संबोधित करते हुए संयुक्त मंच के संयोजक एवं ऑल इंडिया इंश्योरेंस एम्प्लाइज एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष धर्मराज महापात्र ने कहा कि नोएडा, ग्रेटर नोएडा, मानेसर, गुरुग्राम और फरीदाबाद समेत कई औद्योगिक क्षेत्रों में श्रमिक कम मजदूरी, असुरक्षित कार्य परिस्थितियों और ठेका प्रथा के खिलाफ संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारें श्रमिकों की समस्याओं का समाधान करने के बजाय आंदोलनकारी मजदूरों और ट्रेड यूनियन नेताओं पर दमनात्मक कार्रवाई कर रही हैं। उन्होंने कहा कि ठेका श्रमिकों से 10 से 13 घंटे तक काम लिया जा रहा है, जबकि उन्हें मात्र 10 से 12 हजार रुपये मासिक वेतन दिया जा रहा है। साथ ही उन्हें पीएफ, ईएसआई, ओवरटाइम भुगतान और साप्ताहिक अवकाश जैसी मूलभूत सुविधाएं भी नहीं मिल रही हैं। सभा में बढ़ती महंगाई और रसोई गैस की कीमतों को लेकर भी चिंता जताई गई। वक्ताओं ने न्यूनतम मजदूरी 26 हजार रुपये प्रतिमाह तय करने, 8 घंटे कार्यदिवस लागू करने, समान काम के लिए समान वेतन, ठेका प्रथा समाप्त करने तथा श्रमिक विरोधी श्रम संहिताओं को वापस लेने की मांग की।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव से फेडरेशन कप मिक्स्ड नेटबॉल चैंपियनशिप में रजत पदक जीतने वाले खिलाड़ियों ने की मुलाकात

मुख्य सचिव ने अधिकारियों की ली बैठक

शासन के मिशन मोड में किए जाने वाले कार्यों की हुई समीक्षा

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मंशा अनुसार छत्तीसगढ़ शासन विशिष्ट क्षेत्रों में तीव्र और लक्षित विकास के लिए महत्वपूर्ण योजनाओं के कार्यों को मिशन मोड में संचालित करेगा। इस संबंध मे आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में अधिकारियों की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि राज्य सरकार ने लक्षित विकास के लिए नए मिशन शुरू किए है। जिन्हें पूरी तरह मिशन मोड में संचालित किया जाएगा। अधिकारियों ने बैठक में अपनी विभागीय योनजाओं के संबंध में प्रस्तुतिकरण के जरिए विस्तार से जानकारी रखी। बैठक में अधिकारियों ने मुख्यमंत्री एआई मिशन के संबंध में बताया कि उभरती हुए तकनीकों और प्रौद्योगिकियों में छत्तीसगढ़ को देश का अग्रणी राज्य बनाना है। इसके लिए यहां के युवाओं को एआई आधारित स्टार्टअप के लिए बढ़ावा दिया जाएगा। शासन व्यवस्था के कार्यों में भी एआई का उपयोग किया जाएगा। इसके लिए शासन के अधिकारी-कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। इसी तरह से छात्र-छात्राओं, युवाओं को भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री खेल उत्कर्ष मिशन के तहत ग्रामीण और जमीनी स्तर पर छिपी हुई खेल प्रतिभा की पहचान कर उन्हें निखारा जाएगा। खिलाड़ियों को सुविधाएं दी जाएगी।

डॉ. रमन सिंह ने घटाया प्रोटोकॉल काफिला, प्रधानमंत्री मोदी की अपील के बाद 4 वाहनों के उपयोग में कटौती का फैसला

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की संसाधन संरक्षण और ईंधन बचत संबंधी अपील का समर्थन करते हुए अपने प्रोटोकॉल काफिले में शामिल 4 वाहनों का उपयोग कम करने का निर्णय लिया है। डॉ. रमन सिंह ने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में संसाधनों का संरक्षण और जिम्मेदारीपूर्ण उपयोग समय की आवश्यकता है। उन्होंने इसे राष्ट्रहित से जुड़ा महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से संयम और सादगी अपनाने की जो अपील की है, वह सभी के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि जब देश चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों का सामना कर रहा हो, तब जनप्रतिनिधियों और नागरिकों का दायित्व बनता है कि वे संसाधनों के उपयोग में जिम्मेदारी दिखाएं और अनावश्यक खर्च से बचें। डॉ. रमन सिंह ने प्रदेशवासियों से भी अपील की कि वे आवश्यकता अनुसार ही संसाधनों का उपयोग करें और जहां तक संभव हो सार्वजनिक परिवहन एवं साझा यात्रा व्यवस्था को प्राथमिकता दें।

लूट के मामले में आदतन अपराधी गिरफ्तार किए.....

रायपुर/ संवाददाता

राजधानी रायपुर में सक्रिय आदतन अपराधियों और हथियारबाजों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत मौदहापारा थाना पुलिस और क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चाकू की नोक पर लूट की वारदात को अंजाम देने वाले मुख्य आरोपी राशिद अली उर्फ राजा उर्फ बैझड़ और उसके साथी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त चाकू और लूटी गई रकम में से शेष नगदी बरामद की है। पुलिस के मुताबिक प्रार्थी शेख साहिल ने थाना मौदहापारा में शिकायत दर्ज कराई थी कि 11 मई 2026 की रात करीब 10:30 बजे तालाब पार स्थित कल्लू गैरेज के पास आरोपियों ने उसे रोक लिया और चाकू दिखाकर डराते हुए नगदी लूट ली। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने अपराध क्रमांक 84/2026 धारा 309(4) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में थाना पुलिस और क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीम गठित कर आरोपियों की तलाश शुरू की गई। पुलिस ने मुखबिर तंत्र सक्रिय कर तकनीकी साक्ष्यों और सीसीटीवी फुटेज की गतिविधियों का विश्लेषण किया। जांच के दौरान मुख्य आरोपी राशिद अली उर्फ राजा बैझड़ का नाम सामने आया, जो संजय नगर टिकरापारा क्षेत्र का रहने वाला है और पिछले कुछ समय से मौदहापारा इलाके में मस्जिद के पास एक खाली प्लॉट में रह रहा था।

महिला समूहों के आर्थिक स्वावलंबन की सराहना

छत्तीसगढ़ का आजीविका मॉडल देशभर के लिए प्रेरणादायी

- 'केंद्रीय राज्य मंत्री श्री कमलेश पासवान सेरीखेड़ी में अजा परियोजना और पिंक दीदी नवाचारों का किया निरीक्षण'

रायपुर/ संवाददाता

केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री श्री कमलेश पासवान ने आज रायपुर जिले के सेरीखेड़ी स्थित मल्टी यूटिलिटी सेंटर का दौरा किया। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के तहत संचालित इस केंद्र में उन्होंने महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा किए जा रहे नवाचारों और आजीविका गतिविधियों का सघन निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं द्वारा संचालित अजापरियोजना और बेहतर बाजार लिंकेज की प्रशंसा करते हुए इसे देशभर के लिए एक अनुकरणीय मॉडल बताया। मंत्री श्री पासवान ने एकीकृत बकरी पालन मॉडल अजा के क्रियान्वयन को बारीकी से देखा। उन्होंने कहा कि यह परियोजना न केवल ग्रामीण परिवारों की आय बढ़ा रही है, बल्कि वैज्ञानिक पशुपालन को भी नई दिशा दे रही है। आधुनिक शेड, नियमित टीकाकरण, पशु बीमा, ऑनलाइन मॉनिटरिंग और जैविक खाद निर्माण जैसी व्यवस्थाओं ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सकारात्मक बदलाव लाया है। उन्होंने समूहों द्वारा तैयार उत्पादों के लिए बाजार की सुलभ उपलब्धता को अन्य राज्यों के लिए भी सीखने योग्य बताया। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने नवा रायपुर में संचालित ई-ऑटो सेवा प्रोजेक्ट पिंक दीदी की सराहना की। उन्होंने हितग्राही महिलाओं से संवाद कर उनके अनुभव जाने

और कहा कि यह पहल पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बना रही है। एकीकृत बकरी पालन परियोजना, कृषि आधारित आजीविका गतिविधियों, आजीविका सेवा केंद्र, के अलावा उन्होंने बिजनेस दीदी, मशरूम उत्पादन और कृषि आधारित अन्य गतिविधियों का भी अवलोकन किया। मंत्री श्री पासवान ने कृषक उत्पादक समूह की बोर्ड ऑफ डायरेक्टर महिलाओं से आत्मीय चर्चा की। इस दौरान दीदियों ने साझा किया कि कैसे वे घर की चारदीवारी से निकलकर आज एक संगठित व्यवसाय का नेतृत्व कर रही हैं। मंत्री ने महुआ कुकीज का स्वाद लिया और समूह की दीदियों के कौशल की प्रशंसा करते हुए कहा कि असंगठित क्षेत्र को संगठित कर लाभ अर्जित करना ही वास्तविक सशक्तिकरण है। केंद्रीय राज्य मंत्री ने छत्तीसगढ़ के आजीविका मॉडल को अन्य राज्यों के लिए प्रेरणास्रोत बताते हुए अधिकारियों को इन योजनाओं के और अधिक विस्तार पर जोर देने को कहा। केंद्रीय राज्य मंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में आजीविका मॉडल अन्य राज्यों के लिए भी प्रेरणास्रोत बन सकते हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं महिला समूहों को बेहतर कार्य के लिए बधाई देते हुए योजनाओं के और विस्तार पर जोर दिया। निरीक्षण के दौरान पंचायत सचिव श्री भीम सिंह, कलेक्टर श्री गौरव सिंह, जिला पंचायत सीईओ श्री कुमार बिस्वरांजन सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

संपादकीय

पंजाब में फिर लौट रहा खालिस्तानी आतंक?

पंजाब में आतंकी तंत्र के फैलते दायरे का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि पिछले वर्ष जुलाई में सुरक्षा एजेंसियों ने बब्बर खालसा इंटरनेशनल के तीन आतंकियों को गिरफ्तार किया था।पंजाब में पिछले कुछ समय से आतंकी गतिविधियां जिस तरह से बढ़ रही हैं, वह बड़े खतरे की ओर इशारा करती है। बीते दस दिनों के भीतर राज्य में तीन बम धमाकों ने इस चिंता को और गहरा कर दिया है। अब तक की जांच-पड़ताल के निष्कर्षों की जो तस्वीर सामने आई है, उससे इस बात के साफ संकेत मिलते हैं कि उग्रवाद का कठिन दौर झेल चुके इस राज्य में खालिस्तान समर्थक आतंकी तंत्र फिर से सिर उठाने लगा है। जलंधर और अमृतसर में मंगलवार रात हुए दो सिलसिलेवार विस्फोटों ने राज्य की सुरक्षा एजंसियों की सतर्कता और खुफिया चौकसी पर सवाल खड़े कर दिए हैं।इन विस्फोटों की गंभीरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि दोनों जगह सुरक्षा प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने की कोशिश की गई। आतंक के इस तंत्र को लेकर सबसे बड़ी चुनौती यह है कि विभिन्न समूहों से जुड़े ज्यादातर आतंकी किसी आम नागरिक की तरह समाज में घुल-मिलकर रहते हैं, जिससे उनकी पहचान करना मुश्किल होता है। मौका मिलने पर वे अपने आकाओं के निर्देश पर हमला करने के लिए सक्रिय हो जाते हैं।गौरतलब है कि पंजाब के जलंधर में मंगलवार रात करीब आठ बजे सीमा सुरक्षा बल के पंजाब फ्रंटियर के मुख्यालय के बाहर विस्फोट हुआ। इसके बाद दूसरा धमाका रात करीब ग्यारह बजे अमृतसर में सैन्य छावनी के पास हुआ। जलंधर में हुए विस्फोट की जिम्मेदारी प्रतिबंधित संगठन खालिस्तान लिबरेशन आर्मी ने ली है और पुलिस ने भी इसकी पुष्टि की है। इससे पहले पटियाला के शंभू इलाके में 27 अप्रैल को एक मालगाड़ी की पटरी पर विस्फोट हुआ था।पुलिस ने इस सिलसिले में खालिस्तान समर्थक एक आतंकी गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया था। ये घटनाएं खुफिया तंत्र की विफलता और सुरक्षा व्यवस्था में गंभीर खामी की ओर इशारा करती हैं। राज्य पुलिस का मानना है कि इन आतंकी वारदातों के पीछे पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई का हाथ है। सीमा पार से खालिस्तान समर्थक आतंकी समूहों को प्रशिक्षण, विस्फोटक सामग्री और हथियार मुहैया कराए जा रहे हैं।

मगर सवाल है कि सुरक्षा एजंसियां इस तरह की गतिविधियों पर नियमित नजर रखने और किसी भी वारदात से पहले ही आतंकियों को धर-दबोचने में नाकाम क्यों हो रही हैं?पुलिस के मुताबिक, अमृतसर में विस्फोट स्थल पर आईईडी के टुकड़े मिले हैं, जिससे संकेत मिलता है कि यह या तो टाइम बम से किया गया विस्फोट था या फिर रिमोट कंट्रोल से धमाका किया गया। ऐसे में सुरक्षा प्रतिष्ठानों की सुरक्षा को लेकर भी सवाल उठना स्वाभाविक है। अगर सुरक्षाबलों के परिसर में ही चौकसी के बंदोबस्त इतने कमजोर हैं कि कोई भी वहां विस्फोटक सामग्री रख सकता है, तो फिर अन्य सार्वजनिक स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था का स्तर कैसा होगा, इसका अनुमान लगाना मुश्किल नहीं है।

अजेय अस्मिता का अंगार- झुकती दुनिया में 'महाराणा प्रताप' होने का अर्थ

जब स्वाधीनता ने स्वयं को मानवीय स्वरूप में प्रकट करना चाहा, जब समता और समन्वय ने 'योद्धा' के रूप में खुद को ढालने की आरजू की, जब 'वीरता और वैराग्य' ने संयुक्त रूप से प्रस्फुटित होने का संकल्प लिया तब 09 मई 1540 को कुंभलगढ़ के किले में महाराणा प्रताप नामक आलोक का उदय हुआ। पराधीनता के घोर तिमिर में 'भुवन भास्कर' बन उदित होने वाला यह कालजई किरदार आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना आज से 500 वर्ष पूर्व था। संभव है कि उनकी जयंती के अवसर पर फिर दुराग्रह और तुष्टीकरण की विष्ठा के आहार पर पल रहे कुछ बुद्धिजीवी मानवता के 'प्रताप' को लघुतर साबित करने का कुप्रयास करेंगे।

(प्रणय विक्रम सिंह)

मुल्क के सबसे बड़े सूबे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जैसे प्रखर राष्ट्रवादी अकबर नहीं महाराणा थे महान, कह कर उन छद्म कुपढ़ों का प्रतिकार करेंगे। किंतु यह दोनों बातें इस बहस को जन्म अवश्य देती है कि आखिर महाराणा में क्या महानता थी। या महाराणा और अकबर में कौन महान था।

वैसे महानता के अपने-अपने मापदंड हो सकते हैं। जैसे मेरा मानना है कि महान बनने के लिये किसी भी व्यक्ति अथवा शासक में मानवता का होना बुनियादी शर्त है। वह जितना अधिक मानवीय मूल्यों और जन पक्षधरता के निकट होगा, महानता से समीपता बढ़ती चली जायेगी। मानवीय मूल्य और जन पक्षधरता वाले निर्णयों की बुनियाद पर मैं महाराणा प्रताप को समकालीन इतिहास का महान शासक मानता हूं।

अब प्रश्न है कि आखिर महाराणा में महानता थी क्या?

महाराणा की महानता को जानने के लिये इंटरनेट की तरंगों पर मचल रही 21वीं सदी को थोड़ा पीछे मुड़ कर उस कालखंड की तरफ देखना पड़ेगा जब भारत का स्वर्ण काल बीत चुका था। इंद्रप्रस्थ का सिंहासन बन चुका था तख्त-ए-दिल्ली। चंगेज खान के फरजंद (उत्तराधिकारी) लूटने लगे थे इस देव भूमि को। जिन्हें कभी सूर्य और चंद्र के वंशज होने का अभिमान था वो क्षत्रिय, अब कुर्नीस करने लगे थे जलालुद्दीन मोहम्मद अकबर के दरबार में। मुगलों के परचम तले भारतवर्ष के बड़े-बड़े राज्य अपना अस्तित्व खो रहे थे। जो कल तक राजा थे, वह आज मनसबदार बन कर खुद को महफूज समझ रहे थे। कहीं से बगावत की कोई आवाज नहीं आ रही थी। 'सत्य' ने 'सत्ता' के सम्मुख समर्पण कर दिया था। कहते हैं कि बहती धारा में कोई पेड़ उग नहीं पाता है। लेकिन कुछ हठीले दरख्त ऐसे भी होते हैं जिन्हे समय का सैलाब भी बहा नहीं पाता है। वह अविचल, अडिग खड़े रहते हैं प्रलयंकारी तूफानों में। धारा का तेज बहाव, समय की तपिश, तूफानों के रक्ताभ थपेड़े उनका बाल भी बांका नहीं कर पाते हैं।

उस वक्त, कुछ ऐसे ही मतवाले दरख्तों से लहलहा रही थी वीर मेवाड़ की धरती, जब अपने साम्राज्यवादी मंसूबों की कुत्सित पिपासा को मिटाने के लिये अकबर तेजी से मेवाड़ की ओर आगे बढ़ रहा था। और मेवाड़ मचल रहा था स्वाधीनता के अमर गायक महाराणा प्रताप की तान पर। वो महाराणा, जिसने वीरता के प्रतिमानों को ही बदल दिया। वो, महाराणा जिसने मृत्यु की नाद पर जीवन को थिरकना सिखाया। वो महाराणा, जिसकी रगों में महारानी पद्मनी का तेज, राणा सांगा का पराक्रम, माता पन्ना धाय का त्याग, संस्कार बन कर दौड़ रहा था। भला उसे अकबर नाम का अंधड़ क्या परेशान करता। लालच के पृष्ठ पर अपमान के अक्षरों से लिखे तमाम संधि प्रस्तावों पर स्वाभिमान की स्याही उड़ेलता रहा महाराणा। लिहाजा सज गई हल्दीघाटी। शायद हल्दीघाटी के हिस्से में भी वीरों की तपस्थली होने का गौरव आना था। हल्दीघाटी की जय-पराजय तो अलग विषय है लेकिन अकबर को इस युद्ध के बाद यह ज्ञात हो गया कि आगे का मार्ग आसान नहीं है। उसके अविजित होने का दंभ हिल गया। सम्पूर्ण भारतवर्ष ने महाराणा में एक नई उम्मीद देखनी प्रारम्भ कर दी। अब प्रताप का संघर्ष हर उस व्यक्ति और समाज के लिये प्रेरणा बन चुका था, जो अपने अस्तित्व की रक्षा को अपना धर्म समझता था। हल्दीघाटी मात्र एक युद्धभूमि नहीं थी, वह चेतना की कसौटी थी। वहां दो

सेनाएं नहीं भिड़ीं, वहां दो दृष्टियों टकराईं एक ओर विस्तार की भूख, दूसरी ओर अस्तित्व की रक्षा।

जब कोई महाशक्ति किसी देश की सांसें सैन्य/आर्थिक घेराबंदी से गिनने लगती है, जब वियतनाम, बलोचिस्तान और वेनेजुएला जैसी धरती अपने ही संसाधनों के बीच घुटन महसूस करती है, तब यह स्पष्ट हो जाता है कि हल्दीघाटी कोई स्थान नहीं थी, वह हर युग की एक स्थिति है। संघर्ष का रंग बदला है, आत्मा की परीक्षा वही है।

यह विडंबना ही है कि जन सामान्य और इतिहासकार, महज हल्दीघाटी के युद्ध तक ही सीमित कर देते हैं प्रताप को। जबकि सच तो यह है कि महाराणा अपने कालखंड के सबसे बड़े समाज सुधारक थे। अब देखिये न, जातीय जड़ता में जकड़े हुये मध्यकालीन युग में प्रताप ने अपनी सेना में अछूत समझे जाने वाले दलित धांगर बिरादरी के लोगों को न केवल शामिल किया था बल्कि उन्हें सेना की अगली कतार में चलने का गौरव भी प्रदान किया। यह किसी भी वंचित समुदाय को योद्धा बनाने की युगांतकारी पहल थी।

राणा प्रताप ने बाल्यकाल से ही भीलों को हमेशा सम्मान की दृष्टि से देखा और तात्कालीन समाज में व्याप्त अनेक जातीय शिष्टाचार को दरकिनार कर उनके साथ एक पंगत में बैठ भोजन करते थे राणा। यह स्वामी भक्त भीलों के शौर्य और राणा के समतामूलक विचारों का ही परिणाम है कि आज भी मेवाड़ राजवंश के प्रतीक चिह्न पर एक ओर क्षत्रिय खड़ा है तो दूसरी ओर भील। यही नहीं, अनेक अवरोधों के बावजूद सामाजिक समरसता में एक कदम आगे बढ़ते हुये अफगान पठान हकीम खां सूर के दल को अपने हरावल दस्ते की कमान सौंपी। भील, धांगर समेत अन्य वंचित समुदाय उनके लिए एक ही आग के अंगार थे। जहां योग्यता थी, वहां भेदभाव की दीवार अपने आप गिर जाती थी। आज, जब समाज को फिर से वर्ग रूपी खांचों बांटने की कोशिशें तेज हैं, प्रताप की यह दृष्टि मरहम की तरह उतरती है।

महाराणा प्रताप प्रजा के हृदय पर शासन करने वाले शासक थे। उनकी एक आज्ञा हुई और विजयी सेना ने देखा कि उसकी विजय व्यर्थ है। चित्तौड़ भस्म हो गया, खेत उजड़ गये, कुएं भर दिये गये और ग्राम के लोग जंगल एवं पर्वतों में अपने समस्त पशु एवं सामग्री के साथ अदृश्य हो गये। दशकों तक मेवाड़ में अन्न का दाना नहीं उपजा। पूरा मेवाड़ युद्ध का मैदान बना हुआ था। सब तरफ भुखमरी और मार-काट थी, ऐसे में सब साथ छोड़ जाते हैं लेकिन मेवाड़ ने प्रताप का साथ कभी नहीं छोड़ा। मेवाड़ की जनता प्रताप के पीछे चट्टान की तरह खड़ी रही।

महाराणा प्रताप की अदम्य वीरता, दृढ़ साहस और कुशल सेनानायक की उज्वल कीर्ति के आलोक में अनेक ऐसे गुण, जो महाराणा के व्यक्तित्व को विभिन्न आयामों में विराटता प्रदान करते हैं, छिप कर रह गये हैं। विदित हो कि महाराणा प्रताप में अच्छे सेनानायक के गुणों के साथ-साथ अच्छे व्यवस्थापक की विशेषताएं भी थी। अपने शासनकाल में उन्होंने युद्ध में उजड़े गांवों को पुनः व्यवस्थित किया। नवीन राजधानी चावण्ड को अधिक आकर्षक बनाने का श्रेय महाराणा प्रताप को जाता है। चावंड को चित्रकला का केंद्र बनाकर नई चित्र शैली मेवाड़ी शैली का प्रारम्भ करवाया।

महाराणा प्रताप को स्थापत्य, कला, भाषा और साहित्य से भी लगाव था। वे स्वयं विद्वान तथा कवि थे। उनके शासनकाल में अनेक विद्वानों एवं साहित्यकारों को आश्रय प्राप्त था। राजधानी के भवनों पर कुम्भाकालीन स्थापत्य की अमिट छाप देखने को मिलती है। पद्मिनी चरित्र की रचना तथा दुरसा आढ़ा की कविताएं महाराणा प्रताप के युग को आज भी अमर बनाये हुए हैं। उनकी प्रेरणा से ही मथुरा के चक्रपाणी मिश्र ने विश्व वल्लभ नामक स्थापत्य तथा मुहूर्त माला नामक ज्योतिष ग्रंथ की रचना की। चांवड में चावंड माता के मंदिर का निर्माण भी राणा प्रताप ने ही करवाया था।

दीगर है कि अंग्रेजी हुकूमत से स्वाधीनता हेतु संघर्षरत अनेक महान क्रांतिकारियों के प्रेरणा स्रोत थे 500 वर्ष पूर्व जन्में महाराणा। वीर शिरोमणि चंद्रशेखर आजाद के लिये आदर्श थे राणा। क्रान्तिकारियों के लिए मेवाड़ की धरती, चित्तौड़गढ़ और हल्दीघाटी तीर्थस्थल बन चुके थे। वस्तुतः अंग्रेजों की दासता से मुक्ति दिलाने के लिए महाराणा प्रताप के नाम ने जादू का काम किया। डीप स्टेट के अदृश्य तंत्र, प्रलोभनों की आंधियां और भीतर से राष्ट्र को खोखला करने वाली साजिशें इन सबके बीच महाराणा प्रताप दीप बनकर खड़े दिखाई देते हैं। वे याद दिलाते हैं कि पराधीनता पहले मन में उतरती है, सीमाओं पर बाद में। यदि चेतना सजग रहे, तो कोई भी जाल स्थायी नहीं हो सकता।

वस्तुतः वह हमारे दुर्धर संघर्ष, निष्ठा, समर्पण और पराक्रम की अपूर्व धरोहर हैं। वह ऐसा इतिहास हैं, जो कभी मर नहीं सकता। ऐसे भी अनेक प्रयास हुए हैं और आगे भी होते रहेंगे जो महाराणा प्रताप की गरिमा को सन्देह की शय्या पर सुलाना चाहेंगे।

लेकिन शायद ऐसा करने वाले यह भूल गये हैं कि महाराणा प्रताप का इतिहास मानव-जीवन का पर्याय है और कोई भी ऐतिहासिक दुराग्रह, उसे प्राप्त प्रतिष्ठा से अपदस्थ नहीं कर सकती। युगों-युगों तक पीढ़ियां स्वाधीनता के अमर हस्ताक्षर को स्मरण कर प्रेरणा प्राप्त करती रहेंगी।ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

भाजपा को परखने के औजार बदलने होंगे

(राकेश सैन)

राष्ट्रवाद को लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से लेकर अनेक विचारक स्पष्ट कर चुके हैं कि भारत का राष्ट्रवाद संकीर्ण पश्चिमी राष्ट्रवाद से सर्वदा विपरीत है। पश्चिमी मीडिया भारत को अक्सर यूरोपीय राजनीतिक अनुभवों के चश्मे से देखने की कोशिश करता है। वहां राष्ट्रवाद का अर्थ सत्ता विस्तार व नस्लीय वर्चस्व रहा है। भारतीय जनता पार्टी की बंगाल जीत ने केवल राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि अंतर्राष्ट्रीय राजनीतिक विश्लेषकों का भी ध्यान आकर्षित किया है। सभी अपने-अपने मापदण्डों पर इस चुनाव परिणाम को परख रहे हैं परन्तु पुराने ढर्रे पर चलते हुए फिर से गलती पर गलती दोहराते लगते हैं। यहां के विपक्ष की मानें तो यह एसआईआर के प्रयोग से निकला विजयमार्ग है तो विदेशी विश्लेषक फिर से जिंगल बैल जिंदल बैल की तरज पर साम्प्रदायिकता का गीत गाने लगे हैं। इन पांच राज्यों के चुनाव परिणाम बताते हैं कि भाजपा ने कहीं पहली बार पांव जमाए हैं, कहीं वह फिर से सत्ता में आई है तो कहीं उसने अपना जनाधार बढ़ाया है। अगर केरल जैसे राज्य में वामपंथी दलों को भाजपा के प्रभाव के डर से अय्यप्पा के दर्शन करने पड़ें, भाजपा के लिए राजनीतिक रूप से बंजर कहे जाने वाले बंगाल में कमल की फसल लहलाने लगे, द्रविड़ राजनीति के केंद्र तमिलनाडु में उसकी आहट सुनने लगे यह सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है कि विरोधी इस दल को गलत औजारों से परख रहे हैं। विरोधी भूलते हैं कि देश का मतदाता मतिहीन नहीं है, वह सुशासन व विकास को अपनी पसंद बनाता जा रहा है। अगर कोई दल संविधान के अनुरूप काम करते हुए जनता की पसंद बन रहा है तो विरोधियों को भी अपनी सोच बदलनी होगी। राष्ट्रवाद को लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से लेकर अनेक विचारक स्पष्ट कर चुके हैं कि भारत का राष्ट्रवाद संकीर्ण पश्चिमी राष्ट्रवाद से सर्वदा विपरीत है। पश्चिमी मीडिया भारत को अक्सर यूरोपीय राजनीतिक अनुभवों के चश्मे से देखने की कोशिश करता है। वहां राष्ट्रवाद का अर्थ सत्ता विस्तार व नस्लीय वर्चस्व रहा है। जबकि भारत में राष्ट्रवाद सांस्कृतिक, सभ्यतागत पहचान और ऐतिहासिक आत्मबोध से जुड़ा है। इसे विदेशी मीडिया समझ नहीं पाता। इसीलिए वो हमारे सांस्कृतिक पुनर्जागरण को सीधे अल्पसंख्यक-बहुसंख्यकवाद से जोड़ देता है। यही कारण है कि बंगाल में भाजपा की जीत को पश्चिम के विश्लेषकों ने लोकतांत्रिक परिवर्तन के बजाय हिंदू राष्ट्रवादी कब्जे की तरह प्रस्तुत किया गया। एसआईआर पर अर्धसत्य दिखाते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने परिणामों के बाद वोट चोरी का आरोप लगाया। ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग को भाजपा का आयोग बताया। विदेशी मीडिया ने इन आरोपों को लगभग बिना तथ्य जांचे ही अपने विमर्श का आधार बना लिया। विशेष रूप से एसआईआर को मुस्लिम मतदाताओं को हटाने की साजिश के रूप में पेश किया गया, जबकि हटाए गए 91 लाख नामों में 63 प्रतिशत हिंदू मतदाता थे। बड़ी संख्या में नाम मृत, डुप्लिकेट, स्थायी रूप से स्थानांतरित या फर्जी पाए गए थे। इसके बावजूद विदेशी मीडिया के बड़े हिस्से ने केवल मुस्लिम वोट हटाए गए वाली जिद को प्रमुखता दी। देसी-विदेशी विश्लेषक यह भूल गए कि जिन 20 सीटों पर जाँच के बाद सबसे ज्यादा वोट काटे गए थे, उनमें से ज्यादातर पर टीएमसी ने ही कब्जा जमाया है। इन सीटों में समशेरगंज, लालगोला, भगवानगोला, रघुनाथगंज, मटियाबुर्ज, सूती, मोथाबाड़ी, गोलपोखर, मालतीपुर, चोपड़ा, सुजापुर, राजारहाट न्यू टाउन और बशीरहाट उत्तर शामिल हैं। इन सभी 13 सीटों पर ममता बनर्जी की पार्टी को जीत मिली है। अन्य सीटों की बात करें तो फरक्का सीट पर सबसे ज्यादा 38,222 वोट काटे गए थे, लेकिन वहाँ से कॉन्ग्रेस ने जीत दर्ज की। वहीं भाजपा को जंगीपुर, रतुआ, करनदिघी, केतुग्राम, मानिकचक और मोंतेश्वर जैसी 6 सीटों पर जीत मिली। यह अकेला आँकड़ा ही उस प्रोपेगेंडा की हवा निकाल देता है जिसमें यह दावा किया जा रहा था कि वोटर लिस्ट में सुधार से सिर्फ टीएमसी को नुकसान हुआ और भाजपा को फायदा पहुँचा। अगर बड़े पैमाने पर देखें, तो जिन 187 सीटों पर 5,000 से ज्यादा वोटर्स के नाम काटे गए थे, वहां भाजपा ने 119 और टीएमसी ने 65 सीटों पर जीत दर्ज की। इन 187 सीटों में से 47 सीटें ऐसी थीं, जहाँ कटे हुए वोटों की संख्या जीत के अंतर से ज्यादा थी। भाजपा ने जो 119 सीटें जीतीं, उनमें से 28 सीटों पर जीत का अंतर कटे हुए वोटों से कम था। इन आँकड़ों से साफ है कि कई सीटों पर काँटे की टक्कर थी और वहाँ कटे हुए वोटों की संख्या जीत के मार्जिन से ज्यादा रही। लेकिन हार का पूरा ठीकरा सिर्फ वोटर लिस्ट सुधार की प्रक्रिया पर फोड़ देना और इसे ही हार की एकमात्र वजह बताना पूरी तरह से भ्रामक और गलत है। विदेशी विश्लेषणों में बंगाल के चुनावी परिणाम को हिन्दुत्व के उभार के रंग में रंग दिया। लेकिन वहां की जनता की नाराजगी, आर्थिक बदहाली, भ्रष्टाचार, महिला उत्पीड़न, सत्ताधारियों की हिंसा, उद्योगों का पलायन जैसे कारणों की अनदेखी कर गया। यह तत्व जनता में अप्रासंगिक हो रहे हैं और भाजपा का ग्राफ निरंतर बढ़ रहा है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

रील, स्क्रीन और भागती दुनिया के बीच आखिर क्यों छूटता जा रहा है 'समझने' का हुनर

देखने और समझने के बीच एक सूक्ष्म-सी दूरी है, पर यही दूरी धीरे-धीरे जीवन को एक अनकही थकान में बदल देती है। हम जीवन भर देखते रहते हैं- चेहरे, सड़कें, भीड़, घटनाएं, समाचार- पर उन्हें समझने का ठहराव जैसे हमारी दिनचर्या से धीरे-धीरे विलुप्त हो गया हो। जीवन हमारे सामने घटता रहता है, पर उसका अर्थ भीतर पहुंचने से पहले ही कहीं फिसल जाता है, जैसे कोई नदी रेत में समा जाए और हम केवल उसकी नमी को महसूस कर सकें, प्रवाह को नहीं। 'समय ने समय से कहा होगा कि मैं वही हूं, जो हर युग में अपने अर्थ बदल लेता हूं- कभी प्रतीक्षा बनकर, कभी गति बनकर और कभी उस मौन ठहराव की तरह, जो किसी अनुभव के बाद मनुष्य के भीतर बच जाता है।'

(विजय सिंह अधिकारी)

शायद इन्हीं पंक्तियों में देखने और समझने के बीच की पूरी कथा छिपी है- एक ऐसी कथा जो हर युग में लिखी जाती है, पर कभी पूरी नहीं होती। इसी संदर्भ में यह कहावत भी सटीक प्रतीत होती है- 'आंखों देखी पर यकीन कर लेते हैं, पर समझी हुई बात जीवन बदल देती है।'

आज यह दूरी और भी सूक्ष्म होकर सर्वव्यापी हो गई है। मोबाइल फोन ने देखने को गति नहीं दी, उसने देखने को एक निरंतर प्रवाह में बदल दिया है। अब दृश्य रुकते नहीं, वे बहते हैं। सुबह आंख खुलते ही स्क्रीन, दिनभर सूचनाओं की अनवरत दस्तक और रात तक अनगिनत चित्रों का सिलसिला- जैसे दुनिया अब कोई स्थिर यथार्थ नहीं, बल्कि एक निरंतर संपादित होती हुई फिल्म हो।

दिल्ली मेट्रो में एक युवक अपने मोबाइल में लगातार रील बदल रहा था। एक दृश्य की हंसी अभी पूरी भी नहीं होती कि दूसरा दृश्य शुरू हो जाता था। मृत्यु, विवाह, विज्ञापन, युद्ध- सब एक ही समतल पर समान गति से गुजरते हैं। उस गति में किसी भी दृश्य का भार नहीं बचता। उसी डिब्बे में एक वृद्ध महिला अपने बैग को कसकर पकड़े खड़ी थी। उसके चेहरे पर वर्षों का धैर्य था, पर वह दृश्य नहीं बना, क्योंकि दृष्टि पहले ही

आगे बढ़ चुकी थी।

दिल्ली में एम्स के बाहर हल्की बारिश में एक परिवार प्रतीक्षा कर रहा था। समय वहां रुकता नहीं, फैल जाता है। पिता की आंखें दरवाजे पर जमी थीं, मां की हथेलियां आपस में बंधी थीं, बच्चा हर आहट पर सिहर उठता था। यह केवल प्रतीक्षा नहीं थी- यह समय का वह रूप था, जहां भय और आशा एक ही क्षण में सांस ले रहे थे। पर बाहर से देखने वाला इसे केवल 'कतार' कह देता है। यही वह बिंदु है, जहां देखने और समझने के बीच की सबसे गहरी दरार दिखाई देती है।

इसी तरह एक चौराहे पर एक बच्चा फूल बेच रहा था। हर बार लाल बत्ती पर वह आगे आता, हर हरी बत्ती पर पीछे छूट जाता। उसकी गति नियमों से नहीं, जीवित रहने की विवशता से तय थी। एक कार में बैठे व्यक्ति ने उसे देखा, क्षणभर ठहरा, फिर स्क्रीन में लौट गया। दृश्य पूरा था, पर अर्थ अधूरा रह गया।

स्टेशन पर एक वृद्ध व्यक्ति ट्रेन छूट जाने के बाद भी उसी जगह खड़ा रहा। भीड़ आगे बहती रही, घोषणाएं बदलती रहीं, पर उसके भीतर समय जैसे एक बिंदु पर जम गया था। वह केवल यात्री नहीं था। वह छूटते हुए जीवन का एक मौन संग्रह था, जहां हर छूटना केवल यात्रा नहीं, स्मृति बन रहा था।

गांव में यह अनुभव और भी मौलिक हो जाता है। एक किसान सूखी जमीन को देखता है, पर उसकी दृष्टि केवल दरारों तक सीमित नहीं रहती। उसमें कर्ज की परतें, मौसम की अनिश्चितता, बीज की कीमत और आसमान की चुप्पी एक साथ जीवित रहती है। उसके लिए बादल केवल पानी नहीं, एक संभावना है- एक वादा जो पूरा भी हो सकता है और टूट भी सकता है।

शहर का व्यक्ति मौसम एप देखकर भी असमंजस में रहता है, क्योंकि उसके पास सूचना है, पर वह व्याख्या नहीं, जो अनुभव से जन्म लेती है। किसी बस में बैठी महिला का दृश्य भी ऐसा ही था- गोद में सोता बच्चा, खिड़की से पीछे छूटता शहर, और चेहरे पर थकान की परतें। पर उस थकान के भीतर अनेक भूमिकाएं चल रही थीं- मां, कामगार, देखभालकर्ता और भविष्य की अनिश्चितताओं से जूझती एक चेतना। देखने वाला उसे केवल 'यात्री' कह देता है, पर समझने वाला उसमें एक पूरा सामाजिक और आर्थिक ढांचा पढ़ लेता है।

धीरे-धीरे हमने अनुभव को सूचना में बदल दिया है। सड़क दुर्घटना हमें कुछ क्षण विचलित करती है, फिर अगली सूचना उसे ढक लेती है। अस्पताल की कतार दिखाई देती है, पर उसमें बैठे हर व्यक्ति का समय अदृश्य रह जाता है। किसी मजदूर की झुकी हुई चाल दिखती है, पर उसका पूरा दिन हमारी दृष्टि से बाहर रह जाता है। अब दृश्य आते हैं, पर ठहरते नहीं- और जो नहीं ठहरता, वह अर्थ नहीं बनता।

यहां समय एक मौन भूमिका निभाता है। वह केवल आगे नहीं बढ़ता, वह हमारी दृष्टि को भी आकार देता है। 'समय ने समय से कहा होगा कि यदि तुम तेज हो जाओगे, तो मनुष्य तुम्हें केवल देखेगा, समझेगा नहीं।' गति समय को दृश्य बना देती है, पर अर्थ को धुंधला कर देती है। ठहराव ही वह स्थान है, जहां अनुभव अपने पूरे रूप में प्रकट होता है।

यही कारण है कि देखने और समझने के बीच की यह दूरी केवल तकनीक का परिणाम नहीं, बल्कि हमारी दृष्टि की संरचना में आया एक गहरा परिवर्तन है। यह परिवर्तन हमें संसार का साथी तो बनाता है, पर उसका सहभागी नहीं रहने देता। शायद सबसे मौन विडंबना यही है कि हम जितना अधिक दुनिया को देख रहे हैं, उतना ही कम उसे भीतर उतार पा रहे हैं, क्योंकि जो केवल देखा गया है, वह स्मृति बन सकता है, पर जो समझा नहीं गया, वह जीवन नहीं बनता। वह बस एक गुजरती हुई छाया रह जाता है, जो हमारे सामने से भी निकल जाती है और हमारे भीतर से भी।

प्रभार हस्तांतरण नहीं होने से नई वाहन पंजीयन व्यवस्था प्रभावित, नियम मानने वाले शोरूम को हो रहा नुकसान

कोण्डागांव में आरटीओ व्यवस्था बेपटरी, आदेशों की उड़ रही धज्जियां

कोण्डागांव। परिवहन आयुक्त छत्तीसगढ़ द्वारा नए वाहनों के पंजीयन को लेकर जारी स्पष्ट दिशा-निर्देशों के बावजूद कोण्डागांव जिले में आदेशों का पालन सही तरीके से नहीं हो पा रहा है। जिला परिवहन कार्यालय में बनी प्रशासनिक अव्यवस्था के कारण वाहन पंजीयन व्यवस्था प्रभावित हो गई है और इसका सीधा असर वाहन खरीदारों तथा वाहन व्यवसायियों पर पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार कोण्डागांव में पदस्थ जिला परिवहन अधिकारी अतुल कुमार अस्सैया का स्थानांतरण हो चुका है और वे कोरबा पहुंच चुके हैं, लेकिन अब तक विधिवत प्रभार हस्तांतरण नहीं हो पाया है। वहीं नवपदस्थ अधिकारी राम कुमार ध्रुव ने अभी पदभार ग्रहण नहीं किया है। ऐसे में परिवहन विभाग का कामकाज प्रभावित हो रहा है। परिवहन आयुक्त कार्यालय द्वारा

जारी आदेश में स्पष्ट कहा गया है कि नए वाहनों का पंजीयन डीलर प्वाइंट के माध्यम से ऑनलाइन प्रक्रिया से किया जाएगा तथा बिना नंबर प्लेट के वाहन सुपुर्द नहीं किए जाएंगे। इसके बाद जिला परिवहन अधिकारी कार्यालय कोंडागांव की ओर से भी जिले के सभी वाहन डीलरों को निर्देश जारी कर आदेश का पालन सुनिश्चित करने कहा गया था। इसके बावजूद जिले में कई वाहन शोरूम नियमों को ताक पर रखकर बिना पूर्ण पंजीयन प्रक्रिया के वाहन डिलीवरी कर रहे हैं। वहीं जो शोरूम शासन के आदेशों का पालन कर रहे हैं, उन्हें ग्राहकों की नाराजगी झेलनी पड़ रही है। ग्राहक ऐसे शोरूम की ओर जा रहे हैं जहां बिना प्रक्रिया पूरी किए तुरंत वाहन उपलब्ध कराया जा रहा है। इससे नियमों का पालन करने वाले व्यवसायियों को आर्थिक नुकसान होने लगा है। वाहन व्यवसाय से जुड़े लोगों का कहना है कि यदि जिला परिवहन कार्यालय में समय पर प्रभार हस्तांतरण और प्रशासनिक व्यवस्था सुचारु रहती तो ऐसी स्थिति निर्मित नहीं होती। विभागीय शिथिलता का फायदा कुछ शोरूम संचालक उठा रहे हैं और शासन के आदेशों की खुलेआम अनदेखी हो रही है।

क्या कहते हैं अधिकारी

स्थानांतरित जिला परिवहन अधिकारी अतुल कुमार अस्सैया ने बताया कि उनका ट्रांसफर हो चुका है और वे कोरबा पहुंच चुके हैं। जब उनसे पूछा गया कि अब तक प्रभार हस्तांतरण क्यों नहीं हुआ है, तो उन्होंने कहा कि नए आरटीओ राम कुमार ध्रुव सोमवार को जाएंगे और पदभार ग्रहण करेंगे। फिलहाल इस संबंध में वे अधिक जानकारी नहीं दे पाएंगे।

बड़ा सवाल दुर्घटना होने पर जिम्मेदार कौन?

बिना पूर्ण पंजीयन प्रक्रिया और वैध नंबर प्लेट के वाहन सड़क पर दौड़ने से अब सुरक्षा और कानूनी जिम्मेदारी का सवाल भी खड़ा हो गया है। यदि ऐसे किसी वाहन से दुर्घटना हो जाती है, तो बीमा क्लेम, पुलिस कार्रवाई और जवाबदेही को लेकर गंभीर विवाद की स्थिति बन सकती है। मोटरयान अधिनियम के तहत बिना वैध पंजीयन सार्वजनिक सड़क पर वाहन चलाना नियम विरुद्ध माना जाता है। ऐसे में परिवहन विभाग की प्रशासनिक लापरवाही आम लोगों के लिए जोखिम बनती नजर आ रही है। अब जिले में सवाल उठने लगे हैं कि जब परिवहन विभाग स्वयं अपने आदेशों के पालन को लेकर गंभीर नहीं दिख रहा, तो नियमों का पालन करने वाले व्यापारी और आम वाहन खरीदार आखिर क्यों परेशान हों।

सुविधाएं बढ़ाने की मांग की

मुंगेली। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से पत्रकारों ने पत्रकारों के आवास के लिए पत्रकार कालोनी निर्माण हेतु भूमि आबंटित करने,प्रेस काम्प्लेक्स निर्माण करने तथा अधिमान्य पत्रकारों को रेलवे में छूट सुविधा बहाल करने व स्वास्थ्य आदि अन्य सुविधाएं बढ़ाने की मांग की। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मुंगेली आगमन पर मुंगेली प्रेस क्लब अध्यक्ष अनिल सोनी व सचिव योगेश शर्मा के साथ पत्रकारों ने मुख्यमंत्री साय को पत्रकारों की विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया और उन्हें बताया कि विभिन्न कठिनाइयों के बावजूद पत्रकार अपने सीमित निजी संसाधनों से समाज व देश के प्रति अपने दायित्वों का कुशलता पूर्वक निर्वहन करते है साथ ही अपने घर परिवार के प्रति दायित्वों का भी निर्वहन करते है। पत्रकारों ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से पत्रकारों के आवास के लिए पत्रकार कालोनी निर्माण हेतु भूमि आबंटित करने,पत्रकारिता कार्य संपादित करने हेतु प्रेस काम्प्लेक्स निर्माण करने तथा अधिमान्य पत्रकारों को रेलवे में छूट सुविधा बहाल करने व स्वास्थ्य आदि अन्य सुविधाएं बढ़ाने की मांग की।

जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित हुए नागरिक सुशासन तिहार शिविर में 74 आवेदन प्राप्त

केशकाल। नगर पंचायत में सुशासन तिहार अंतर्गत जिला स्तरीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ आम नागरिकों तक पहुंचाने के उद्देश्य से व्यापक स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी नागरिकों को दी गई तथा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं से लाभान्वित करने की प्रक्रिया भी पूरी की गई। सीएमओ नामेश कावड़े ने बताया कि इस शिविर के दौरान राजस्व विभाग से 9 आवेदन, महिला एवं बाल विकास विभाग से 3 आवेदन, विद्युत विभाग हेतु 4 आवेदन, उज्ज्वला योजना के लिए 17 आवेदन तथा क्षेत्र की मूलभूत सुविधाओं से जुड़े सीसी सड़क, नाली एवं भवन निर्माण जैसे कार्यों के लिए 25 आवेदन प्राप्त हुए। अन्य योजनाओं सहित कुल 74 आवेदन

प्राप्त हुए, जिन्हें ऑनलाइन पोर्टल में दर्ज कर निर्धारित समयावधि में निराकरण किया जाएगा। कार्यक्रम के अगले चरण में प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 अंतर्गत स्वीकृत आवासों के हितग्राहियों को मंचासीन जनप्रतिनिधियों एवं एसडीएम आकांक्षा नायक द्वारा भवन अनुज्ञा प्रदान की गई। इसके साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पूर्ण हो चुके मकानों के हितग्राहियों को चाबी सौंपकर गृह प्रवेश भी कराया गया, जिससे हितग्राहियों में उत्साह का माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम में सभी विभागों के अधिकारी-कर्मचारी सक्रिय रूप से उपस्थित रहे। इस दौरान मुख्य रूप से नगर पंचायत केशकाल के अध्यक्ष बिहारी लाल शोरी, पार्षद पंकज नाग, भूपेश चंद्राकर, महेश तारम, नम्रता भारद्वाज, पुंजलता मरकाम, सुदर्शन कुंजाम, राजेंद्र ठाकुर, हेमंत बांधे एवं समाजसेवी कृष्णदत्त उपाध्याय सहित अनेक जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

वन विभाग में 'चोरी' की कहानी से भ्रष्टाचार छिपाने का खेल मीडिया की दबिश के बाद रातों-रात शुरू हुआ काम

भानुप्रतापपुर। वन मंडल भानुप्रतापपुर के अंतर्गत ग्राम बांसला के जंगलों में एएनआर कार्य और फेंसिंग के नाम पर करोड़ों रुपये की हेराफेरी का सनसनीखेज मामला सामने आया है। मीडिया की सक्रियता और ग्राउंड रिपोर्टिंग के बाद विभाग में हड़कंप मच गया है। जो काम महीनों से अधूरा पड़ा था और जिसके पैसे डकारे जा चुके थे, वह खबर प्रकाशित होते ही आनन-फानन में दोबारा शुरू कर दिया गया है। बांसला के जंगलों में कूप कटाई के बाद छोटे पौधों के संरक्षण के लिए फेंसिंग की जानी थी। आरोप है कि पूर्व रेंजर पंकज पटेल के कार्यकाल के दौरान मटेरियल सप्लायरों को काम पूरा होने से पहले ही पूरी राशि का भुगतान कर दिया गया। मौके पर केवल आधा मटेरियल ही पहुँचा था। इतना ही नहीं, मस्टर रोल में उन मजदूरों के नाम भरकर राशि आहरित कर ली गई, जो कभी काम पर आए ही नहीं। मुख्य वन संरक्षक कांकेर को इस पूरे मामले की लिखित शिकायत सौंपी जा चुकी है। अब देखना यह है कि प्रशासन

दोषियों को बचाता है या उन पर नकेल कसता है।

अधिकारियों के बयानों में फंसा पेंचः चोरी या सीनाजोरी?: इस मामले में विभाग की किरकिरी तब और बढ़ गई जब दो जिम्मेदार अधिकारियों के बयान आपस में भिड़ गए। एडीएफओ ऋषभ जैन का दावा कर रहे है कि उन्होंने तर्क दिया कि फेंसिंग का कार्य पूर्ण हो चुका था, लेकिन लगभग 100 मीटर फेंसिंग चोरी हो गई है। वहीं डिप्टी रेंजर मोनीष मण्डावी ने एडीएफओ के दावे को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि कार्य अभी पूर्ण ही नहीं हुआ था। अधिकारियों के विरोधाभासी बयान साफ संकेत दे रहे हैं कि भ्रष्टाचार को छिपाने के लिए 'चोरी' की झूठी पटकथा गढ़ी गई थी।

मजदूरों ने खोली पोल

मौके पर काम कर रहे मजदूर हरेंद्र चक्रधारी, हिरामन चक्रधारी, तमेश जुर्री, पिंटू चक्रधारी, जगत चक्रधारी, डिकेश चक्रधारी, सचिन चक्रधारी, रमेश चक्रधारी, राजकमल नायक, प्रशांत नायक, डिगेश देहारी, चिन्तु देहारी, द्वारिका नाग ने बताया कि मटेरियल खत्म होने के कारण काम बंद था। मीडिया में खबरें आने के बाद अब गिट्टी, पोल और अन्य सामान गिराया गया है। मजदूरों के अनुसार, अभी भी लगभग 1800 मीटर फेंसिंग का कार्य शेष है, जिसे अब आनन-फानन में पूरा किया जा रहा है।

मुख्यालय के पास यह हाल, तो अंदरूनी इलाकों में क्या?

बांसला का जंगल डिवीजन मुख्यालय के करीब है, इसलिए मामला उजागर हो गया। लेकिन स्थानीय नागरिकों का सवाल है कि दुर्गुकोंदल, अंतागढ़ और आमाबेड़ा जैसे सुदूर क्षेत्रों का क्या हाल होगा? विभागीय सूत्रों का कहना है कि अंदरूनी इलाकों में वनीकरण के कार्य केवल कागजों पर 'हरे-भरे' हैं। दुर्गुकोंदल वन परिक्षेत्र में भी एएलआर कार्य में भारी अनियमितता की खबरें हैं, जिसका खुलासा जल्द होने की उम्मीद है। क्या वन विभाग के उच्च अधिकारी इस मामले में संज्ञान लेकर जांच कमेटी गठित करेंगे? क्या सरकारी धन का गबन करने की कोशिश करने वाले अधिकारियों और पूर्व रेंजर पंकज पटेल पर कड़ी कार्रवाई होगी?

गोलापल्ली- किस्टाराम परिक्षेत्र में फॉरेस्ट नाका व जंगलों के रास्तों से खुलेआम तेंदूपत्ता परिवहन

कोंटा। गोलापल्ली, किस्टाराम परिक्षेत्र में अवैध तरीके से कच्चा तेंदूपत्ता खरीदी कर फॉरेस्ट नाकों व जंगलों के रास्तों से खुलेआम ट्रैक्टर वाहनों से परिवहन किए जाने की चर्चा दोनों परिक्षेत्र में तेज हो गई है। तेलंगाना के सीमावर्ती गांवों में फड़ लगाकर तेंदूपत्ता की गड्डियां बिछाई जा रही हैं और बड़े पैमाने पर खरीदी का काम चल रहा है। सूत्रों के अनुसार एक ही ठेकेदार द्वारा 14 से 15 स्थानों पर फड़ संचालित किए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि अब तक दोनों परिक्षेत्रों से करोड़ों रुपये मूल्य का तेंदूपत्ता परिवहन हो चुका है, लेकिन विभागीय स्तर पर किसी प्रकार की ठोस कार्रवाई नजर नहीं आई है। ग्रामीणों का आरोप है कि ठेकेदारों ने खरीदी दर और भुगतान व्यवस्था को लेकर गांवों में चर्चा नहीं की है। अलग-अलग क्षेत्रों में जनप्रतिनिधियों को सुपरवाइजर नियुक्त कर उन्हीं के माध्यम से तेंदूपत्ता खरीदी कराया जा रहा है तथा प्रत्येक गड्डी पर कमीशन दिया जा रहा है। जब आदिवासी अपनी हक अधिकार को दिलाने के लिए

जनप्रतिनिधि निर्वाचित करते हैं जब आदिवासी जनप्रतिनिधि ही पेशा कानून क्षेत्र में ग्राम सभा जैसे महत्वपूर्ण नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं, तो भविष्य में ग्रामीणों द्वारा किसी भी कार्य को नियमपूर्वक और पारदर्शिता के साथ कैसे किया जा सकेगा? तेंदूपत्ता सरकारी समर्थन मूल्य 5.55 रुपये प्रति गड्डी निर्धारित है। एक गड्डी में 50 पत्ते होते हैं तथा गड्डी की प्रत्येक पत्ते की दर 11 पैसे है। इसके बावजूद क्षेत्र में संग्रहकर्ताओं से 3 से 4 रुपये प्रति गड्डी की दर से तेंदूपत्ता खरीदी जा चुकी है। दाम कम बिचौलियों द्वारा खरीदी गई प्रति गड्डी शासकीय दस्तावेजों में जुड़ेंगे नहीं संग्राहकों को दिए जाने बोनस राशि से भी वंचित रह जाएंगे। गोलापल्ली और किस्टाराम क्षेत्र में उत्तम गुणवत्ता वाले तेंदूपत्ते का संग्रहण होता है।

घरेलू लकड़ी पर कार्रवाई, लेकिन तेंदूपत्ता परिवहन पर चुप्पी: इधर वन विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठ रहे हैं। लोगों का कहना है कि पहले घरेलू उपयोग के लिए लाई गई सागौन लकड़ी पर विभाग तत्काल कार्रवाई करता था, लेकिन लाखों रुपयों की अवैध तेंदूपत्ता परिवहन के बावजूद विभागीय सक्रियता दिखाई नहीं दी है।

फायदागुड़ा चेकपोस्ट के बावजूद जारी परिवहन से उठे सवाल

गोलापल्ली और किस्टाराम परिक्षेत्र के लिए तेलंगाना सीमावर्ती गांव फायदागुड़ा स्थित 212 बटालियन कैंप के पास चेकपोस्ट बनाया गया है, जहां जांच के लिए तीन नाकेदारों की ड्यूटी लगाई गई है। इसके बावजूद कच्चा तेंदूपत्ता परिवहन लगातार जारी रहने से विभाग की कार्यशैली पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

विभागीय स्टॉफकी निगरानी बढ़ाई जाएगी

कोंटा सब डिविजनल ऑफिसर से फोन पर संपर्क करने पर उन्होंने बताया कि डीएफओ के निर्देशानुसार उन्हें समाचार पत्रों में बयान देने के लिए अधिकृत नहीं किया गया है। हालांकि एसडीओ राहुल देवांगन ने कहा कि मामले को गंभीरता से लेते हुए विभागीय स्टॉफकी निगरानी बढ़ाई जाएगी तथा अवैध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जाएगी।

बहीगांव में आम से भरी पिकअप को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, 1 की मौत

केशकाल। राष्ट्रीय राजमार्ग 30 में लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। ग्राम बहिगांव के पास एक बार फिर भीषण सड़क हादसा हो गया। यहां एक अज्ञात वाहन ने सामने से आ रही पिकअप वाहन को जोरदार टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गया। हादसे में पिकअप वाहन में सवार तीन युवकों में से एक युवक की मौत हो गई, जबकि अन्य दो घायल बताए जा रहे हैं। जिनका फरसगांव अस्पताल में उपचार जारी है। मिली जानकारी के अनुसार पिकअप वाहन में आम लोड कर चालक एवं अन्य युवक जगदलपुर से रायपुर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान बहिगांव के पास सामने से आ रहे अज्ञात वाहन ने पिकअप को जबरदस्त ठोकर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि पिकअप वाहन के परखच्चे उड़ गए। घटना की सूचना मिलते ही केशकाल पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और घायलों को उपचार के

लिए अस्पताल भेजा गया। वहीं मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है तथा मार्ग में लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से फरार अज्ञात वाहन की तलाश शुरू कर दी गई है।

तारुण्य वार्ता के अंतर्गत मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन कार्यशाला में दंतेवाड़ा जिले के प्रतिभागी हुए शामिल

किरंदुल। श्री बालाजी विद्या मन्दिर देवेन्द्र नगर रायपुर में मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन के अंतर्गत 'तारुण्य वार्ता हैशटैग पीरियड्स पर खुलकर' अभियान के साथ ही 11 से 12 मई तक दो दिवसीय मास्टर ट्रेनर्स प्रशिक्षण न कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। यूनिसेफ और भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ के संयुक्त तत्वाधान में इसका आयोजन हुआ। इस कार्यशाला में दंतेवाड़ा जिले से मास्टर ट्रेनर्स अंजू साहू एवम पूजा साहू सम्मिलित हुए।इस कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए मुख्य अतिथि की आसंदी से छत्तीसगढ़ राज्य बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ.वर्णिका शर्मा ने कहा कि मासिक धर्म पर चुप्पी नहीं, जागरूकता और संवाद की आवश्यकता हैं। हर बेटी को सुरक्षित, स्वच्छ और सम्मानजनक माहवारी प्रबंधन का अधिकार मिलना चाहिए। उन्होंने यूनिसेफ और भारत स्काउट्स एवं गाइड्स द्वारा प्रारंभ किए गए अभियान की प्रशंसा की। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के राज्य मुख्य

आयुक्त इंद्रजीत सिंह खालसा ने कहा कि यूनिसेफ के साथ शुरू की गई मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन की इस मुहिम को पूरे छत्तीसगढ़ में हर वर्ग तक पहुंचाने का कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 28 मई को अभियान का समापन मुख्यमंत्री के मुख्य आतिथ्य में होगा। यूनिसेफ की छत्तीसगढ़ हेड सीमा कुमार ने कहा कि यह गर्व की बात है कि आज हम लड़कियों की गरिमा, समानता और स्वास्थ्य सुरक्षा का अभियान शुरू कर रहे प हैं। यह बालिकाओं के सशक्तिकरण का भी अभियान है। उन्होंने कहा कि यह अभियान माहवारी के मिथकों और अनावश्यक पाबंदियों को तोड़ने का काम करेगा। यह अभियान लड़कियों तक ही सीमित नहीं रहेगा, यह लड़कों को भी माहवारी के प्रति जागरूक करेगा और उनकी समझ को बढ़ाएगा तथा झिझक को दूर करेगा।सीमा कुमार ने मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन जैसे विषय को स्कूलों के पीटीएम के माध्यम से अभिभावकों तक पहुंचाने की मांग रखी।

नए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय भवन का भूमि पूजन एवं शिलान्यास सम्पन्न

कोण्डागांव। रमेश सिन्हा ने वर्चुअल माध्यम से कोण्डागांव में प्रस्तावित नए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय भवन के निर्माण कार्य का भूमि पूजन एवं शिलान्यास किया। यह कार्यक्रम मंडी प्रांगण से लगे क्षेत्र में आयोजित किया गया, जहां नए न्यायालय भवन का निर्माण किया जाना है। अपने उदबोधन में मुख्य न्यायाधिपति ने कहा कि राज्य के सभी न्यायिक जिलों में आधुनिक सुविधाओं से युक्त न्यायालय भवन उपलब्ध कराना प्राथमिकता है, ताकि न्यायपालिका से जुड़े हितधारकों एवं आम जनता को बेहतर न्यायिक सेवाएं मिल सकें। उन्होंने कहा कि पिछले तीन वर्षों में जिला न्यायपालिका के बुनियादी ढांचे में उल्लेखनीय सुधार हुआ है और आने वाले समय में न्यायिक अवसंरचना तथा तकनीकी सुविधाओं का और विस्तार किया जाएगा। उन्होंने निर्माण एजेंसी को निर्देशित करते हुए कहा कि भवन निर्माण कार्य निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण सामग्री एवं सभी मानकों के अनुरूप पूरा किया जाए। उल्लेखनीय है कि वर्ष

2013 में सिविल जिला बनने के बाद से प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय, कोंडागांव जनपद पंचायत के पुराने भवन में संचालित हो रहा है। नए भवन के निर्माण से न्यायालय को आधुनिक एवं सर्वसुविधायुक्त परिसर उपलब्ध होगा, जिससे न्यायिक कार्यों के संचालन में भी सुविधा मिलेगी। कार्यक्रम में संजय कुमार जायसवाल भी वर्चुअल माध्यम से शामिल हुए। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश खिलावन राम रिगरी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि नया भवन त्वरित एवं सुलभ न्याय प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगा। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट रेशमा बैरागी पटेल ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया, जबकि कार्यक्रम का संचालन न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, केशकाल सौम्या राय द्वारा किया गया। इस अवसर पर जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश विक्रम प्रताप चंद्रा, जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश (एफटीसी) प्रतिभा मरकाम, कलेक्टर नुपूर राशि पन्ना, पुलिस अधीक्षक आकाश श्रीमाली, जिला अधिवक्ता संघ अध्यक्ष दीपक ठाकुर सहित अधिवक्तागण, लोक निर्माण विभाग के अधिकारी, न्यायालयीन अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

डीएवी किरंदुल में कक्षा 12वीं का परिणाम उत्साह जनक

किरंदुल। डी ए वी पब्लिक स्कूल किरंदुल कक्षा 12वीं का परीक्षाफल उत्साह जनक रहा। विज्ञान संकाय एवं वाणिज्य संकाय में परीक्षा पर शत प्रतिशत रहा। विद्यालय के वाणिज्य संकाय के छात्र अमित साहू ने 92.02% अंक प्राप्त कर पूरे विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। विज्ञान संकाय में छात्र हरिता जी ने 90.6% अंक के साथ प्रथम स्थान, आस्था साव ने 88% अंक के साथ द्वितीय एवं दीप्ति ठाकुर ने 85.4% अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। वाणिज्य संकाय में अमित साहू ने 92.02% अंक के साथ प्रथम, विशिष्ट सक्सेना ने 86% अंक के साथ द्वितीय एवं दीपिका सोनी ने 85.2 प्रतिशत अंक के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया। कला संकाय के फलैश ठाकुर ने 78.4% अंक प्राप्त कर प्रथम अन्यया मजूमदार ने 77% अंक प्राप्त कर द्वितीय एवं तारा यादव ने 76.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया।

अमित साहू ने इनफॉरमेशन प्रैक्टिस में 100 में से 100 अंक प्राप्त कर विद्यालय एवं संपूर्ण क्षेत्र को गौरवान्वित किया। विद्यालय के प्राचार्य संतोष श्रीवास्तव ने विद्यालय की इस सफलता पर छात्रों एवं शिक्षकों को शुभकामनाएं दी एवं उज्जवल भविष्य की कामना की।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा कोर कमेटी में शामिल होने पर अमर अग्रवाल के समर्थकों में उत्साह

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ भाजपा के वरिष्ठ नेता, पूर्व मंत्री एवं बिलासपुर विधायक अमर अग्रवाल को छत्तीसगढ़ भाजपा कोर कमेटी का सदस्य बनाए जाने पर बिलासपुर भाजपा युवा मोर्चा कार्यकर्ताओं एवं उनके समर्थकों में उत्साह का माहौल है। सोशल मीडिया के माध्यम से बड़ी संख्या में समर्थकों एवं शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कर प्रसन्नता व्यक्त की है। ज्ञात हो कि अमर अग्रवाल छत्तीसगढ़ भाजपा के वरिष्ठ एवं अनुभवी नेताओं में गिने जाते हैं। शासन एवं संगठन दोनों स्तरों पर उन्हें लंबे समय का अनुभव प्राप्त है तथा विभिन्न महत्वपूर्ण विभागों की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। स्वर्गीय लखीराम अग्रवाल के राजनीतिक मार्गदर्शन में सार्वजनिक जीवन में सक्रिय हुए अमर अग्रवाल अपने सरल, सौम्य एवं शालीन व्यक्तित्व के कारण जनता के बीच विशेष पहचान रखते हैं छत्तीसगढ़ भाजपा कोर कमेटी का सदस्य बनाए जाने पर अमर अग्रवाल ने पार्टी नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन ने उन्हें समय-समय पर जो भी दायित्व सौंपा, उसका उन्होंने पूरी निष्ठा से निर्वहन करने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि यह उनके लिए सौभाग्य की बात है कि पार्टी ने उन्हें पुनः महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है तथा वे संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के लिए निरंतर कार्य करते रहेंगे।

जिले में दलहन आत्मनिर्भरता मिशन हेतु जिला स्तरीय संचालन समिति का गठन

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। जिले में दलहन आत्मनिर्भरता मिशन योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जिला स्तरीय संचालन समिति का गठन किया गया है। कलेक्टर डॉ संतोष कुमार देवांगन द्वारा जारी आदेश के अनुसार यह समिति छत्तीसगढ़ शासन कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग के निर्देशानुसार गठित की गई है। समिति में कलेक्टर को अध्यक्ष बनाया गया है, जबकि संयुक्त कलेक्टर श्री दिलेराम डाहिरे, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री मुकेश रावटे, श्री आधार सिंह प्रगतिशील कृषक सहित विभिन्न विभागों एवं संगठनों के प्रतिनिधियों को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। समिति में प्रगतिशील कृषक, स्वयं सहायता समूह, किसान उत्पादक संगठन तथा बैंकिंग क्षेत्र के अधिकारियों को भी स्थान दिया गया है। समिति के सचिव के रूप में उप संचालक कृषि एवं प्रोजेक्ट डायरेक्टर श्री सत्यजीत सिंह कंवर को जिम्मेदारी सौंपी गई है। समिति का मुख्य उद्देश्य जिले में दलहन उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए कार्ययोजना तैयार करना, स्वीकृत योजनाओं का सफल क्रियान्वयन सुनिश्चित करना तथा विभागीय गतिविधियों की सतत मॉनिटरिंग करना होगा। इस समिति के गठन से जिले में दलहन उत्पादन को प्रोत्साहन मिलेगा और किसानों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

जीपीएम जिले में 52 लाख रुपए के विकास कार्यों को मिली प्रशासनिक स्वीकृति

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। जिले में ग्रामीण विकास को गति देने के लिए विभिन्न निर्माण कार्यों हेतु 52 लाख रुपए की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है। कलेक्टर डॉ संतोष कुमार देवांगन द्वारा जारी आदेश के अनुसार यह राशि वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतर्गत अधोसंरचना विकास एवं पर्यावरण उपकर निधि से स्वीकृत की गई है। स्वीकृत कार्यों में सीसी रोड निर्माण, पुलिया निर्माण तथा रिटर्निंग वॉल निर्माण जैसे महत्वपूर्ण कार्य शामिल हैं। ये कार्य जिले के विभिन्न ग्राम पंचायतों—पकरिया, ठाढ़पथरा, पंडरीपानी, नेवरी नवापारा, कोरजा एवं पड़वनिया में कराए जाएंगे। जारी आदेश के अनुसार पकरिया ग्राम पंचायत भवन से गोविंद के घर तक सीसी रोड निर्माण हेतु 6 लाख रुपए स्वीकृत किए गए हैं। इसी प्रकार ठाढ़पथरा में पुलिया निर्माण के लिए 6 लाख रुपए तथा पंडरीपानी में मुख्य पहुंच मार्ग से पुलिया निर्माण कार्य के लिए 10 लाख रुपए मंजूर किए गए हैं इसके अलावा नेवरी नवापारा में नाला पर रिटर्निंग वॉल निर्माण, कोरजा में देवी चौरा से तेंदूमुड़ा पहुंच मार्ग तक सीसी रोड निर्माण तथा पड़वनिया में बलराम मोहल्ला से बबुआ तिराहा पहुंच मार्ग तक सीसी रोड निर्माण कार्य के लिए 10-10 लाख रुपए स्वीकृत किए गए हैं। संबंधित ग्राम पंचायतों को कार्य एजेंसी नियुक्त करते हुए निर्धारित नियमों और तकनीकी स्वीकृति के बाद ही निर्माण कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, उपयोगिता प्रमाण पत्र एवं फोटोग्राफप्रस्तुत करना अनिवार्य किया गया है।

जल बचाने का संकल्प

भू-जल संरक्षण को बनाना होगा जनआंदोलन-विधायक

- जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने कहा आने वाली पीढ़ियों के लिए पानी बचाना जरूरी
- भू-जल संरक्षण एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पर जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित

बिलासपुर। जिले में भू-जल संवर्धन एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आज पंडित देवकीनंदन दीक्षित सभागृह शनिचरी बाजार में जिला स्तरीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बेलतरा विधायक श्री सुशांत शुक्ला मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। मस्तूरी विधायक श्री दिलीप लहरिया, महापौर श्रीमती पूजा विधानी, नगर निगम सभापति श्री विनोद सोनी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी, कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल, एसएसपी श्री रजनेश सिंह, नगर निगम कमिश्नर श्री प्रकाश कुमार सर्वे, जिला पंचायत सीईओ श्री संदीप अग्रवाल, डीएफओ श्री नीरज यादव, पार्षद श्री बंधु मौर्य सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी मौजूद रहे। कार्यशाला में नगरीय निकायों के अध्यक्ष, जिला पंचायत और जनपद सदस्य सहित 154 ग्रामों के सरपंच, सचिव, रजिस्टर्ड आर्किटेक्ट, उप अभियंता, तकनीकी विशेषज्ञ, बिल्डर्स एवं बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। इस दौरान कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने उपस्थित लोगों को जल संरक्षण एवं स्वच्छता की शपथ दिलाई। बतौर मुख्य अतिथि बेलतरा विधायक श्री सुशांत शुक्ला ने कहा कि जल संरक्षण, स्वच्छता और सामाजिक जिम्मेदारी को केवल अभियान नहीं बल्कि जनआंदोलन बनाना होगा। उन्होंने कहा कि तेजी से घटते भू-जल स्तर और बढ़ती जल समस्या को देखते हुए अब प्रत्येक नागरिक को पानी बचाने के लिए जागरूक होना जरूरी है। वर्षा जल संचयन, तालाब संरक्षण और पौधरोपण जैसे कार्यों को प्राथमिकता देनी होगी। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित भविष्य देने के लिए आज से ही सामूहिक प्रयास करना आवश्यक है। उन्होंने सभी से आव्हान किया कि अपने विशेष दिन जैसे जन्मदिन, वर्षगांठ जैसे आयोजनों पर हमें एक पौधा जरूर लगाना चाहिए। मस्तूरी विधायक श्री दिलीप लहरिया ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में जल स्रोतों का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। गांवों में तालाब, कुएं और पारंपरिक जल संरचनाओं को संरक्षित कर जल संकट से बचा जा सकता है। महापौर श्रीमती पूजा विधानी ने कहा कि जल संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है और इसे जनभागीदारी से ही सफल बनाया जा सकता है। जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी ने कहा कि जल संरक्षण और स्वच्छता को जनभागीदारी से ही सफल बनाया जा सकता है। उन्होंने लोगों से पौधरोपण, स्वच्छता और जल बचत को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने की अपील की। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने कहा कि भू-जल का अत्यधिक दोहन होने से जल स्तर लगातार नीचे जा रहा है। भविष्य में जल संकट से बचने के लिए हमें जल संरक्षण के लिए हमारे गांव और शहर के हिसाब से नई तकनीक को अपनाना होगा। हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए हमें एक दिशा में ठोस कार्य योजना बनाकर इसे क्रियान्वित करना होगा। तालाब, डबरी और वर्षा जल संचयन जैसी संरचनाओं को मजबूत करना जरूरी है। उन्होंने स्वच्छता, नशामुक्ति और सामाजिक जागरूकता को भी समय की आवश्यकता बताते हुए लोगों से कचरे का पृथक्करण और स्वच्छ वातावरण बनाए रखने की अपील की।

अटल विश्वविद्यालय में 'सशक्त नागरिक' संकल्प बैठक, राष्ट्रहित में जागरूकता पर जोर

बिलासपुर । अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय में गुरुवार को राष्ट्र निर्माण और जागरूक नागरिकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'सशक्त नागरिक' संकल्प बैठक आयोजित की गई। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) ललित प्रकाश पटेरिया की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में शैक्षणिक एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने हिस्सा लिया। बैठक का आयोजन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'सशक्त नागरिक' आह्वान को धरातल पर उतारने के उद्देश्य से किया गया। इस दौरान कुलपति प्रो. पटेरिया ने उपस्थित अधिकारियों और प्राध्यापकों से राष्ट्रहित में जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभाने की अपील की। उन्होंने आर्थिक जागरूकता पर जोर देते हुए अनावश्यक सोना खरीदने और गैर जरूरी विदेश यात्राओं से बचने की सलाह दी। साथ ही ईंधन बचत और पर्यावरण संरक्षण के लिए एक कार, एक परिवार की अवधारणा अपनाने का आह्वान किया, ताकि विश्वविद्यालय आने-जाने में संसाधनों की बचत हो सके। कुलपति ने कहा कि देश हमें देता है सब कुछ, हम भी तो कुछ देना सीखें जैसे विचारों को व्यवहार में उतारना समय की आवश्यकता है। उन्होंने सभी शिक्षकों और अधिकारियों से राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन करने का संकल्प लेने का आग्रह किया। बैठक में कंप्यूटर विभागाध्यक्ष डॉ. एच.एस. होता, डॉ. तारणीश गौतम, वाणिज्य विभागाध्यक्ष डॉ. अतुल दुबे, माइक्रोबायोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. वी. कलाधर सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम में राष्ट्रहित, ऊर्जा संरक्षण और सामाजिक जिम्मेदारी जैसे विषयों पर भी चर्चा की गई।

बैंक खातों के बदले कमीशन का खेल साइबर गैंग का स्लीपर सेल गिरफ्तार...

बिलासपुर। बिलासपुर में साइबर ठगी के लिए बैंक खातों का जाल बिछाने वाले एक बड़े म्यूल अकाउंट सिंडिकेट का खुलासा हुआ है, जहां आम लोगों के बैंक खाते कमीशन के बदले खरीदकर करोड़ों की ऑनलाइन ठगी का रास्ता तैयार किया जा रहा था। थाना तारबाहर पुलिस ने इस नेटवर्क पर बड़ा प्रहार करते हुए एक ऐसे आरोपी को गिरफ्तार किया है जो साइबर अपराधियों के लिए स्लीपर सेल की तरह काम कर रहा था। मामला 13 मई 2026 का है जब थाना तारबाहर पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि स्टेट बैंक व्यापार विहार बिलासपुर के आसपास काला टी-शर्ट पहने एक युवक बैंक आने-जाने वाले लोगों को कमीशन का लालच देकर उनके बैंक खाते और बैंकिंग जानकारी हासिल कर रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस उप महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह को मामले से अवगत कराया गया। उनके निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर पंकज कुमार पटेल और नगर पुलिस अधीक्षक सिटी कोतवाली गगन कुमार के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी रविन्द्र अनंत के नेतृत्व में विशेष टीम गठित कर मौके पर दबिश दी गई। पुलिस ने संदिग्ध युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने अपना नाम दीपेश कुमार गुप्ता पिता दिलीप कुमार गुप्ता उम्र 21 वर्ष निवासी ग्राम सिरसी थाना बसदई जिला सूरजपुर बताया। पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया कि वह अलग-अलग लोगों से बैंक खाते, एटीएम और बैंकिंग जानकारी लेकर उन्हें अन्य व्यक्तियों तक पहुंचाता था और बदले में मोटा कमीशन लेता था। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक मोबाइल फोन जब्त किया जिसमें विभिन्न बैंकों के खातों से जुड़ी जानकारी और संपर्क नंबर मिले हैं। तकनीकी जांच में यह भी सामने आया कि यह पूरा नेटवर्क साइबर अपराधियों के लिए म्यूल अकाउंट सिंडिकेट के रूप में काम कर रहा था। ऐसे खाते साइबर ठगी की रकम को प्राप्त करने, ट्रांसफर करने और तुरंत निकालने में इस्तेमाल किए जाते हैं ताकि असली अपराधियों तक पहुंचना मुश्किल हो जाए। पुलिस के अनुसार देशभर में चल रहे कई संगठित साइबर अपराध नेटवर्क ऐसे ही बैंक खातों के जरिए करोड़ों रुपये का लेन-देन करते हैं। मामले में थाना तारबाहर में अपराध क्रमांक 155/2026 के तहत धारा 318(4), 3(5) और 112 बीएनएस के अंतर्गत कार्रवाई की गई है।

कोयला गैसीकरण को मिली नई गति :केंद्र सरकार की 3,500 करोड़ रुपये की महत्वाकांक्षी योजना को मंजूरी

- भारत की ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में बड़ा कदम
- साऊथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड में भी संभावनाओं पर कार्य जारी

बिलासपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने देश में सतही(सरफेस) कोयला/लिग्नाइट गैसीकरण परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिए 3,500 करोड़ रुपये की महत्वाकांक्षी योजना को मंजूरी प्रदान की है। यह योजना वर्ष 2030 तक 100 मिलियन टन कोयला गैसीकरण के राष्ट्रीय लक्ष्य को गति देने, ऊर्जा सुरक्षा मजबूत करने तथा एलएनजी, यूरिया, अमोनिया और मेथेनॉल जैसे उत्पादों के आयात पर निर्भरता कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। इस योजना के अंतर्गत लगभग 5 मिलियन टन कोयला/लिग्नाइट गैसीकरण क्षमता विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है। योजना के तहत नई परियोजनाओं को प्लांट एवं मशीनरी लागत का अधिकतम 20 प्रतिशत तक वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान किया जाएगा। परियोजनियों का चयन पारदर्शी एवं प्रतिस्पर्धात्मक बोली प्रक्रिया के माध्यम से किया जाएगा। केंद्र सरकार द्वारा कोयला गैसीकरण क्षेत्र में दी जा रही इस नई गति का प्रभाव देश की प्रमुख कोयला कंपनियों में भी दिखाई दे रहा है। इसी क्रम में साऊथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (स्क्षष्टरु) द्वारा भी कोयला गैसीकरण की संभावनाओं पर कार्य किया जा रहा है। स्क्षष्टरु के भटगांव क्षेत्र स्थित महामाया खदान में कोल गैसीफिकेशन की संभावनाओं का परीक्षण एवं अध्ययन किया जा रहा है। यह पहल भविष्य में कोयले के वैकल्पिक एवं स्वच्छ उपयोग की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। कोयला गैसीकरण तकनीक के माध्यम से कोयले को 'सिंथेसिस गैस' में परिवर्तित किया जाता है, जिसका उपयोग उर्वरक, रसायन, ईंधन तथा अन्य औद्योगिक उत्पादों के निर्माण में किया जा सकता है। इससे न केवल आयातित ईंधनों पर निर्भरता घटेगी, बल्कि देश में वैल्यू एडिशन एवं औद्योगिक विकास को भी बढ़ावा मिलेगा। सरकार के अनुसार इस योजना से लगभग 2.5 से 3 लाख करोड़ रुपये तक का निवेश आकर्षित होने की संभावना है तथा लगभग 50 हजार प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे।

जनता गड्ढों में सफर करने को मजबूर, जिम्मेदार सिर्फ दावों में व्यस्त-अंकित गौरहा

बिलासपुर। अशोकनगर बिरकोना मार्ग एवं सीपत चौक से राजकिशोर नगर मुख्य मार्ग की खराब स्थिति को लेकर कांग्रेस नेता अंकित गौरहा ने कलेक्टर एवं नगर निगम आयुक्त को ज्ञापन सौंपकर शीघ्र सुधार कार्य की मांग की है। ज्ञापन में जर्जर सड़क,उड़ती धूल, बारिश में कीचड़,दुर्घटनाओं की बढ़ती आशंका तथा निर्माण कार्यों में अनियमितताओं का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया है। कांग्रेस नेता अंकित गौरहा ने कहा कि अशोक नगरक्कबिरकोना मार्ग पिछले लंबे समय से बदहाल स्थिति में है। गर्मी के दिनों में सड़क पर अत्यधिक धूल उड़ती है,जिससे स्थानीय नागरिकों को स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं बारिश के समय सड़क पर कीचड़ एवं जलभराव की स्थिति बनने से आवागमन प्रभावित हो रहा है। जगह-जगह गड्ढे होने के कारण दुर्घटनाओं का खतरा लगातार बना हुआ है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है कि वर्तमान में क्षेत्र में किए जा रहे नाली निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी है। निर्माण कार्य में तकनीकी मानकों एवं गुणवत्ता की अनदेखी किए जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं। मामले की उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की गई है। इसके अलावा सीपत चौक से राजकिशोर नगर मुख्य मार्ग पर सड़क खुदाई के बाद पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था एवं बैरिकेडिंग नहीं किए जाने का मुद्दा भी उठाया गया है। हाल के दिनों में कई सड़क हादसे होने से लोगों में आक्रोश व्याप्त है। हाल ही में कई हादसे सीसीटीवी कैमरा में कैद हुए हैं जिसमें स्पष्ट है कि संबंधित विभागों की लापरवाही आम जनता की जान पर भारी पड़ रही है। गौरहा ने प्रशासन से सड़क मरम्मत,धूल नियंत्रण, सुरक्षा व्यवस्था एवं निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने की मांग करते हुए कहा कि यदि 15 दिनों के भीतर ठोस कार्यवाही प्रारंभ नहीं की गई तो क्षेत्र की जनता के साथ आंदोलन किया जाएगा। घटनास्थल पर स्थानीय निवासी अमित फडणवीस ने वहां पर रेडियम और बांस की व्यवस्था कर गड्ढे को चारों ओर से घेरा जिसके बाद घटना में कुछ कमी आई लेकिन जिला प्रशासन और विभाग अभी भी नदारत है उन्होंने कहा कि जनता लगातार परेशानियों का सामना कर रही है, लेकिन जिम्मेदार विभाग गंभीरता नहीं दिखा रहे हैं। आमजन की सुरक्षा एवं सुविधा को देखते हुए प्रशासन को तत्काल प्रभाव से आवश्यक कदम उठाने चाहिए।

मंडल रेल आपदा प्रबंधन टीम एवं राष्ट्रीय आपदा मोचन बल द्वारा संयुक्त रूप से मॉक ड्रिल का प्रदर्शन किया.....

- मनेन्द्रगढ़ स्टेशन यार्ड में ट्रेन दुर्घटना के दौरान की जाने वाली राहत व बचाव कार्य का अभ्यास
- एनडीआरएफएवं रेलवे टीम के लिए आपदा के समय अनुभव तथा विशेषज्ञता आदान-प्रदान करने और हमेशा सतर्क रहने के लिए किया जाता है यह मॉक ड्रिल

बिलासपुर। आपदा के समय फ्रंट लाइन स्टाफ रेल आपदा प्रबंधन टीम एवं स्थानीय नागरिक ही बचाव कार्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसी संदर्भ में रेलवे द्वारा अपने फ्रंट लाइन स्टाफ रेल आपदा प्रबंधन टीम एवं स्थानीय नागरिकों को ट्रेन में होने वाली संभावित दुर्घटनाओं का प्रदर्शन कर उस आपातकालीन स्थिति में किए जाने वाले राहत व बचाव कार्य से संबंधित तरीकों को अभ्यास के माध्यम से प्रदर्शित करते हुए प्रशिक्षण दिये जाने की नियमित व्यवस्था है । इससे वे दुर्घटना के समय किए जाने वाले बचाव कार्य के तरीकों से अपडेट व अभ्यस्थ रहें व कम से कम समय में कुशलतापूर्वक राहत व बचाव कार्य कर सकें । साथ ही दुर्घटना राहत उपकरणों की कार्य पद्धति एवं रेलवे आपदा प्रबंधन टीम की तत्परता व क्रियाशीलता भी परखी जा सके इसी कड़ी में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर मंडल द्वारा मनेन्द्रगढ़ स्टेशन यार्ड में आज दिनांक 15 मई 2026 को प्रातः 10 बजे से सवारी गाड़ी में बम विस्फोट होने के कारण उत्पन्न हुई आपदा से निपटने के लिए किए जाने वाली बचाव व राहत कार्य का प्रदर्शन किया गया । इस प्रदर्शन में मनेन्द्रगढ़ स्टेशन यार्ड के पास स्पेशल ट्रेन (चिरमिरी-रीवा) के एक स्लीपर कोच में बम विस्फोट होने से 05 यात्रियों की मौत, 08 यात्रियों के गंभीर रूप से घायल, 0 यात्रियों के सामान्य रूप से घायल होने तथा कोच डिरेल होने और कोच में आग लगने की सूचना प्रसारित की गई यह अभ्यास प्रदर्शन राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (ह्ठक्रस्न) की 11वीं बटालियन, मंडल संरक्षा विभाग, रेल आपदा प्रबंधन टीम (ऋक्च/ऋक्कू) तथा सिविल डिफेंस द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इसमें स्काउट एंड गाइड टीम की भी सक्रिय सहभागिता रही । कोच में संदिग्ध पार्सल पेकेट देखे जाने की सूचना आरपीएफ़ तथा स्थानीय पुलिस विभाग को दी गई सूचना मिलते ही आरपीएफ़ तथा स्थानीय पुलिस की टीम दलबल के साथ मौके पर पहुंची तथा डॉग स्काड की सहायता से बम होने की पुष्टि करते हुये इसे डिस्पोज किया इसके साथ ही दुर्घटना राहत यान एवं दुर्घटना राहत चिकित्सा यान (ऋक्च/ऋक्ष्व) के साथ मंडल रेल आपदा प्रबंधन टीम एवं राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (ह्ठक्रस्न) टीम तथा फायर ब्रिगेड की टीम द्वारा घटना स्थल पहुँच कर राहत व बचाव कार्य करने की पूरी प्रक्रिया को दिखाया गया। इस दौरान स्क्षष्टरु की माइंस की टीम द्वारा जीरो आक्सीजन क्षेत्र में जो कि धुएं से भरा हुआ कोच था, उसमें से अपने एक्सपर्ट के जरिए बचाव कार्य का प्रदर्शन किया गया। ग्रीन कॉरीडोर बनाकर एम्बुलेंस द्वारा गंभीर रूप से घायल यात्रियों को त्वरित चिकित्सा प्रदान करने के लिए रेलवे अस्पताल पहुंचाया गया

पहली बार व्रत रखने वाली महिलाएं रखें इन बातों का ध्यान

हिंदू धर्म में वट सावित्री व्रत को सुहागिन महिलाओं के लिए बेहद खास माना जाता है। यह व्रत ज्येष्ठ महीने की अमावस्या तिथि पर रखा जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन बरगद के पेड़ की पूजा और व्रत करने से पति की लंबी उम्र, सुख-समृद्धि और अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद मिलता है। कई महिलाएं संतान सुख और परिवार की खुशहाली के लिए भी यह व्रत रखती हैं। अखंड सौभाग्य का वट सावित्री व्रत ज्येष्ठ अमावस्या के दिन रखा जाता है।

इस साल वट सावित्री व्रत 16 मई दिन शनिवार को है। पंचांग के अनुसार, वट सावित्री की अमावस्या तिथि 16 मई को 5:11 एएम से लेकर 17 मई को 01:30 एएम तक है। इस दिन सुहागन महिलाएं व्रत रखकर वट वृक्ष, देवी सावित्री और सत्यवान की पूजा करती हैं। इससे उनको अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद मिलता है और दांपत्य जीवन सुखमय होता है। जिन महिलाओं को पहली बार वट सावित्री व्रत रखना है, तो उनको विशेष नियमों का पालन करना चाहिए, तभी आपकी यह व्रत फलित होगा।

वट सावित्री व्रत के नियम

- पहली बार व्रत रख रही हैं तो आपको वट सावित्री व्रत के दिन ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करना चाहिए। उस दिन ब्रह्म मुहूर्त 04:07 ए एम से 04:48 ए एम तक है।
- इस दिन व्रती महिलाओं को लाल, पीला या नारंगी रंग के कपड़े पहनने चाहिए। अपनी शादी का जोड़ा या नई साड़ी भी पहन सकती हैं। सोलह श्रृंगार करें।
- स्नान के करने के बाद वट सावित्री व्रत और पूजा का संकल्प लें। उसके बाद पूजा सामग्री की व्यवस्था कर लें।
- पूजा सामग्री में बांस का पंखा, कच्चा सूत, भीगे हुए चने, धूप, दीप, गाय का घी, फूल, मौसमी फल, सुहाग सामग्री जैसे सिंदूर, बिंदी, चूड़ी आदि, बरगद के फल, सावित्री और सत्यवान की तस्वीर को शामिल करना चाहिए।
- इस व्रत में वट वृक्ष यानि बरगद के पेड़ की पूजा करते हैं। यह एक देव वृक्ष है, जिसमें ब्रह्मा, विष्णु और महेश का वास होता है।
- पूजा में सबसे पहले वट वृक्ष की जड़ को जल अर्पित करते हैं। उसके बाद वृक्ष में सूत लपेटते हैं। वट वृक्ष की परिक्रमा करते हुए उसमें कच्चे सूत को 7, 12, 51 या 108 लपेटना चाहिए।
- परिक्रमा के समय में अपने पति की लंबी आयु की कामना करें। पूजा के समय चना, फल, फूल आदि अर्पित करते है और वट सावित्री व्रत की कथा सुनते हैं।
- इस व्रत को निर्जला और फलाहार दोनो तरह से रखते हैं। आपसे जो संभव हो या आपके यहां जो प्रचलन हो, उसका पालन करें।
- कुछ स्थानों पर पूजा के बाद वट वृक्ष की एक कली और एक भीगा चना पानी की मदद से निगलते हैं।
- पूजा के बाद अपनी सास और परिवार की बुजुर्ग महिलाओं का आशीर्वाद लेते हैं।

वट सावित्री की पूजा से पहले ही हाथों पर रचा लें मेहंदी

वट सावित्री की पूजा सुहागिन महिलाएं करती हैं और पूजा के वक्त साज-श्रृंगार के साथ तैयार होती है। ऐसे में मेहंदी के बगैर ये श्रृंगार अधूरा लगता है। तो बिना ज्यादा समय लगाए हाथों पर फ्रंट एंड बैक में ये मेहंदी की डिजाइन लगाएं।

सिंपल एंड ब्यूटीफुल मेहंदी डिजाइन

वट सावित्री की पूजा सुहागिन स्त्रियां करती है। महिलाएं इस दिन पूरे साज-श्रृंगार के साथ रेडी होती हैं और बरगद के पेड़ की फेरी लगाकर अखंड सौभाग्य की कामना करती है। मेहंदी के बिना ये श्रृंगार अधूरा लगता है। लेकिन ज्यादातर महिलाओं के पास समय की कमी होती है या फिर मेहंदी लगाना नहीं आता, ऐसे में ये 10 आसान सी डिजाइन को हाथों पर लगाकर हो जाएं तैयार।

सबसे आसान है ये डिजाइन

जिन महिलाओं को मेहंदी लगाने का जरा भी प्रैक्टिस नहीं है वो भी इस तरह की डिजाइन को मिनटों में हाथों पर रचा सकती है। जिससे पूजा के वक्त आपके हाथ मेहंदी से भरे हुए नजर आएं और श्रृंगार पूरा दिखे।

फ्रंट हैंड मेहंदी डिजाइन

फ्रंड हैंड पर आसान सी और कम समय में मेहंदी लगाने की ये डिजाइन जरूर सेव कर लें। जो आपके खाली हाथों को भर देगी और खूबसूरत भी दिखेगी। केवल फूल और लाइन की मदद से इस डिजाइन को लगाया गया है। जो आसानी से लग जाएगी।

बड़े फूल और ढोलक वाली डिजाइन

मेहंदी लगाना है लेकिन टाइम कम है को अरेबिक में मारवाड़ी डिजाइन का मिक्सवर काफी खूबसूरत दिखेगा। बड़े फूलों के साथ ढोल को बनाकर इस डिजाइन को बनाएं। मेहंदी डिजाइन अट्रैक्टिव दिखेगा।

फूल वाली अरेबिक डिजाइन

फ्रंट एंड बैक दोनों तरफ इस डिजाइन को बना सकती हैं। बड़े फूलों के साथ अरेबिक डिजाइन हाथों की खूबसूरती बढ़ा देगी।

शनि जयंती पर करें ये उपाय...

वैदिक पंचांग के अनुसार, ज्येष्ठ मास की अमावस्या तिथि को शनिश्चरी अमावस्या होने के साथ-साथ शनि जयंती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन सूर्य और छाया पुत्र शनिदेव का जन्म हुआ था। इसी के कारण इस दिन को शनि के जन्मोत्सव के रूप में मनाते हैं। इस साल शनि जयंती 16 मई को पड़ रही है। इस दिन शनिदेव की विधिवत पूजा करने के साथ-साथ इन ज्योतिषीय उपायों को करना लाभकारी हो सकता है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस उपायों को करने से कुंडली में शनि की स्थिति मजबूत हो सकती है। इसके साथ ही शनि दोष, साढ़े साती और ढैया का प्रभाव कम हो सकता है। आइए जानते हैं शनि जयंती के दिन कौन से उपाय करना लाभकारी हो सकता है पंचांग के अनुसार, ज्येष्ठ अमावस्या 16 मई 2026, शनिवार को सुबह 4 बजकर 12 मिनट पर शुरू हो रही है, जो 17 मई को तड़के 1 बजकर 31 मिनट पर समाप्त हो रही है। उदया तिथि के हिसाब से शनि जयंती 16 मई 2026, शनिवार के दिन होगी।

करें इन चीजों का दान

शनि जयंती के दिन सरसों का तेल, काले तिल, काली उड़द, काला छाता, कपड़े, अनाज का दान करना लाभकारी माना जाता है।

शनिदेव को चढ़ाएं सरसों का तेल

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, शनि जयंती के दिन शनिदेव को सरसों का तेल चढ़ाना लाभकारी माना जाता है। शनिदेव को सरसों का तेल अति प्रिय है। इसलिए इसे चढ़ाने वह प्रसन्न होते हैं।

करें छाया दान

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, शनि छाया दान करने से शनि दोष, साढ़ेसाती से लेकर ढैया के कुप्रभाव को कम किया जा सकता है। ऐसे में शनि जयंती के दिन एक कांसे या फिर मिट्टी की कटोरी में सरसों का तेल भर ले और उसमें एक सिक्का और थोड़ा सा काला तिल डाल दे। इसके बाद इसमें अपना चेहरा दिखाकर किसी शनि मंदिर में दान कर दें या फिर पीपल के पेड़ के नीचे रख दें। ये उपाय लाल किताब में बताया गया है।

पीपल के पास चढ़ाएं चौमुखा दीपक

शनि जयंती के दिन पीपल के पेड़ के नीचे चौमुखा दीपक जलाना लाभकारी माना जाता है। इसलिए आटे या फिर मिट्टी के दीपक में चार मुख वाली बाती रखें और इसमें थोड़ा सा तिल डाल दें। इसके बाद इसे पीपल के पेड़ के नीचे जला दें और 108 बार 'ॐ शं शनैश्चराय नमः' मंत्र का जाप कर लें। इस उपाय को आप शनिवार के दिन भी कर सकते हैं।

शनिदेव को लगाएं भोग

शनिदेव को काले तिल, काली उड़द की दाल या खिचड़ी के अलावा भुना चना और गुड़ का भोग लगना चाहिए। उनका सबसे प्रिय भोग इसी को माना जाता है।

आज का राशिफल

मेष राशि - आपकी राशि के प्रथम भाव में चंद्रमा, सूर्य और मंगल की युति है। इस त्रिग्रही योग के प्रभाव से आपके व्यक्तित्व में निखार आएगा और करियर में नेतृत्व के बेहतरीन अवसर मिलेंगे। नौकरी में प्रमोशन की बात चल सकती है और बिजनेस में साहसिक निवेश से आर्थिक लाभ होगा। लव लाइफ में आकर्षण बढ़ेगा, लेकिन क्रोध पर नियंत्रण रखें ताकि पार्टनर के साथ मधुरता बनी रहे।

वृषभ राशि - आपके लिए खर्चों और सावधानी का रहेगा, क्योंकि आपकी राशि के द्वादश भाव में चंद्रमा, सूर्य और मंगल का गोचर हो रहा है। आपकी राशि के स्वामी शुक्र मिथुन में गुरु के साथ हैं, जो आर्थिक लाभ के अवसर तो देंगे, लेकिन बाहरी संपर्कों पर खर्च भी बढ़ाएंगे। करियर में गुप्त शत्रुओं और प्रतिस्पर्धा से चुनौतियां मिल सकती हैं। बिजनेस में कोई भी बड़ा निवेश फिलहाल टाल दें, धन हानि की आशंका है।

मिथुन राशि - आपके लिए तरक्की और लाभ का रहेगा, क्योंकि आपकी राशि के एकादश भाव में चंद्रमा, सूर्य और मंगल की युति है। आपकी अपनी राशि में गुरु और शुक्र की उपस्थिति सुख-सुविधाओं और आत्मविश्वास में वृद्धि करेगी। करियर में आय के नए स्रोत बनेंगे और नौकरी में अधिकारियों का पूरा सहयोग प्राप्त होगा।

कर्क राशि - आपकी राशि के दशम भाव में चंद्रमा, सूर्य और मंगल का गोचर हो रहा है। नौकरी में आपके काम की सराहना होगी और कोई नई जिम्मेदारी मिल सकती है जो भविष्य में तरक्की का मार्ग प्रशस्त करेगी। बिजनेस में कड़ी प्रतिस्पर्धा के बावजूद आपको बड़ा आर्थिक लाभ होने की संभावना है। दांपत्य जीवन में सुख और शांति बनी रहेगी।

सिंह राशि - भाग्य के उदय का रहेगा, क्योंकि आपकी राशि के नवम भाव में चंद्रमा, सूर्य और मंगल की त्रिग्रही युति है। भाग्य का साथ मिलने से करियर में आ रही बाधाएं दूर होंगी और सफलता के नए द्वार खुलेंगे। बिजनेस के सिलसिले में की गई यात्राएं लाभदायक रहेंगी और आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। लव लाइफ में पार्टनर के साथ किसी धार्मिक या मनोरंजक स्थल पर जाने की योजना बन सकती है। स्वास्थ्य में सुधार होगा और पुरानी बीमारी से राहत मिलेगी।

कन्या राशि - करियर में कुछ अनचाही चुनौतियों और असफलताओं का सामना करना पड़ सकता है, जिससे मानसिक तनाव बढ़ेगा। बिजनेस में जोखिम लेने से बचें और निवेश के मामलों में स्थिरता बनाए रखें। लव लाइफ में पार्टनर के साथ मतभेद हो सकते हैं, शांति से काम लें। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही भारी पड़ सकती है, विशेषकर वाहन चलाते समय सावधानी बरतें।

तुला राशि-आपकी राशि के सप्तम भाव में चंद्रमा, सूर्य और मंगल की युति है। बिजनेस पार्टनर के साथ मिलकर किया गया कार्य बड़ा आर्थिक लाभ दिलाएगा। नौकरी में आपके प्रदर्शन में सुधार होगा और सहकर्मियों का साथ मिलेगा। लव लाइफ में रोमांस और आकर्षण चरम पर रहेगा, जिससे रिश्ते में नयापन महसूस होगा। दांपत्य जीवन में सुख-शांति रहेगी।

वृश्चिक राशि - शत्रुओं और विरोधियों पर आप भारी पड़ेंगे, जिससे करियर में आपकी तरक्की का रास्ता साफ होगा। नौकरी में मेहनत का फल प्रमोशन या आर्थिक लाभ के रूप में मिल सकता है। पुराने कर्ज से मुक्ति मिलने की संभावना है। लव लाइफ में पार्टनर के साथ भावनात्मक जुड़ाव बढ़ेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें, मौसमी बीमारियों से बचाव जरूरी है। फिटनेस के प्रति आपका समर्पण आपको ऊर्जावान बनाए रखेगा और आप हर चुनौती का डटकर सामना करेंगे।

धनु राशि- विद्यार्थियों के लिए शिक्षा और प्रतियोगिता में सफलता के योग हैं। बिजनेस में नई योजनाएं सफल होंगी और आय में वृद्धि होगी। लव लाइफ में रोमांस और प्यार का जादू चलेगा, किसी नए रिश्ते की शुरुआत हो सकती है। सहयोग पक्ष से सुखद समाचार प्राप्त होगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा, जिससे आप कठिन निर्णय भी आसानी से ले पाएंगे।

मकर राशि - आपकी राशि के चतुर्थ भाव में चंद्रमा, सूर्य और मंगल की युति है। करियर में काम का दबाव अधिक रह सकता है, घर और दफ्तर में संतुलन बनाना चुनौतीपूर्ण होगा। बिजनेस में स्थिरता रहेगी, लेकिन निवेश के लिए समय थोड़ा रुकने का है। लव लाइफ में पार्टनर की भावनाओं का सम्मान करें ताकि रिश्ते में शांति बनी रहे। प्रॉपर्टी से जुड़े मामलों में लाभ हो सकता है।

कुंभ राशि- आपके पराक्रम में वृद्धि होगी और कार्यक्षेत्र में आपकी तरक्की के नए अवसर मिलेंगे। बिजनेस में किया गया छोटा सा जोखिम भी बड़ा लाभ दे सकता है। लव लाइफ में पार्टनर के साथ छोटे भाई-बहनों का भी सहयोग प्राप्त होगा। यात्रा के योग बन रहे हैं जो सुखद और लाभप्रद रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा और आप खुद को ऊर्जा से भरपूर महसूस करेंगे। आत्मविश्वास के साथ नई शुरुआत करना कल आपके लिए भाग्यशाली रहेगा।

मीन राशि- आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और कहीं से अचानक धन लाभ हो सकता है। करियर में आपकी वाणी और व्यवहार से लोग प्रभावित होंगे, जिससे नई जॉब या प्रमोशन के अवसर मिलेंगे। बिजनेस में निवेश करना लाभदायक रहेगा। लव लाइफ में पार्टनर के साथ मधुरता बढ़ेगी। शनि की आपकी राशि में उपस्थिति आपको थोड़ा अनुशासित बनाएगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें, विशेषकर मुख या गले से संबंधित समस्या हो सकती है।

टमाटर पुदीना की चटनी बनाएं

लंच-डिनर में अगर आपने सादा खाना बनाया है और आप इसे फ्लेवरफुल बनाना चाहती हैं तो टमाटर पुदीना की चटनी बनाएं। ये खाने के स्वाद को बढ़ाने का काम कर सकती है। सीखिए, इस चटनी को बनाने का तरीका इंडियन खाने में चटनी एक साइड डिश की तरह काम करती है। यह खाने के स्वाद को दोगुना बढ़ाने का काम करता है।

अगर खाना फीका है, तो एक तीखी चटनी उसमें जान डाल सकती है। गर्मियों के मौसम में जब खाना बनाने का मन नहीं होता तब चटनी रोटी-पराठे के साथ खाने के काम आती है। वैसे तो चटनी हरा धनिया, हरी मिर्च और अदरक समेत कुछ मसाले डालकर बनाई जाती है। लेकिन आजकल लोग इसे अलग-अलग सब्जियों के साथ बनाना पसंद करते हैं। गर्मियों में टमाटर की चटनी खाना पसंद किया जाता है। इसे अलग-अलग तरह से बना सकते हैं। अगर आप अपनी फीके खाने का स्वाद बढ़ाना चाहते हैं तो इस बार टमाटर पुदीने की टेस्टी चटनी बनाकर तैयार करें। ये चटनी स्वाद में जबरदस्त लगती है। इसे बनाना काफी आसान है और कुछ ही मिनटों में आप इसे बनाकर तैयार कर सकते हैं।

टमाटर-पुदीना की चटनी बनाने की सामग्री

टमाटर-पुदीना की चटनी बनाने के लिए आपको चाहिए चार से पांच टमाटर, मुट्ठी भर पुदीने की पतिया, मुट्ठी भर धनिया, पांच से छह कलिया लहसुन, दो हरी मिर्च, स्वादानुसार नमक, एक बड़ा चम्मच कश्मीरी लाल मिर्च पाउडर, एक छोटा चम्मच धनिया पाउडर, एक छोटा चम्मच जीरा पाउडर, दो बड़े चम्मच सरसों का तेल

अच्छे फ्लेवर के लिए लहसुन को पहले आंच पर भून लें। चटनी बनाने के लिए हमेशा फ्रेश पुदीना का इस्तेमाल करें, इससे फ्लेवर अच्छा आएगा। अगर आपको तीखी-चटपटी चटनी खाने का मन है तो आप सूखी साबुत लाल मिर्च को आंच पर भून लें और फिर इसे चटनी में कूटते समय मिला दें। (ध्यान रखें जब आप लाल मिर्च भूनें तो नाक को कपड़े से ढंकर कर लें।)

छत की टंकी साफ करने के आसान टिप्स

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हम साफ दिखने वाली चीजों पर तो ध्यान दे देते हैं, लेकिन जो चीजें हमारी नजरों से दूर होती हैं, उन्हें अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं—जैसे घर की पानी की टंकी। बाहर से भले ही सब कुछ ठीक नजर आए, लेकिन टंकी के अंदर जमा गंदगी धीरे-धीरे हमारे स्वास्थ्य पर असर डाल सकती है। काई, मिट्टी, जंग और सूक्ष्म जीव पानी में मिलकर उसे दूषित बना देते हैं, जिसका सीधा असर हमारे पीने, नहाने और रोजमर्रा के इस्तेमाल पर पड़ता है। हैरानी की बात यह है कि ज्यादातर लोग टंकी की सफाई को तब तक टालते रहते हैं, जब तक पानी में बदबू या रंग में बदलाव न दिखने लगे। लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी होती है। इसलिए जरूरी है कि हम समय रहते इस छिपी हुई गंदगी को गंभीरता से लें और नियमित सफाई को अपनी आदत में शामिल करें, ताकि घर का पानी हमेशा शुद्ध और सुरक्षित बना रहे।

टंकी को पूरी तरह करें खाली

सफाई शुरू करने से पहले टंकी को पूरी तरह खाली करना सबसे जरूरी स्टेप है। सारा पानी निकाल दें ताकि अंदर की गंदगी साफ दिखाई दे सके। अगर नीचे थोड़ा पानी बच जाए तो उसे बाल्टी या मग से निकाल लें। साथ ही टंकी में उतरते समय फिसलन से बचने का खास ध्यान रखें। यह स्टेप सफाई को आसान बना देता है।

जमी हुई गंदगी और काई को करें साफ

अब टंकी के अंदर जमी मिट्टी, कचरा और काई को हटाने का काम शुरू करें। इसके लिए मजबूत ब्रश या लंबे हैंडल वाले ब्रश का इस्तेमाल करें। टंकी की दीवारों और तले को अच्छे से रगड़ें और हर कोने की सफाई करें। जहां ज्यादा गंदगी हो, वहां थोड़ा ज्यादा ध्यान दें। जरूरत पड़ने पर ब्रश को डंडे या रस्सी से बांधकर भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

फिटकरी और ब्लीचिंग से दें अंतिम सफाई

टंकी को पूरी तरह साफ और सुरक्षित बनाने के लिए अंत में फिटकरी और ब्लीचिंग पाउडर का उपयोग करें। एक बाल्टी पानी में फिटकरी मिलाकर घोल तैयार करें और टंकी में डालकर रगड़ें। इसके बाद ब्लीचिंग पाउडर दीवारों पर लगाकर 10-15 मिनट तक छोड़ दें। फिर साफ पानी से अच्छी तरह धो लें। अंत में टंकी को दोबारा पानी से रिंस करना न भूलें।

साफ टंकी, सुरक्षित पानी

अगर आप नियमित रूप से टंकी की सफाई करते हैं, तो न सिर्फ पानी साफ रहेगा बल्कि परिवार भी बीमारियों से दूर रहेगा। थोड़ी सी मेहनत आपको बड़ी परेशानी से बचा सकती है।

आंखों के नीचे कालेपन की समस्या से ऐसे पाएं निजात...

अगर आप आंखों के नीचे काले घेरे और लिप्स के पास डार्क स्किन से परेशान हैं तो यहां बताए फेस पैक को लगाएं। ये स्किन को पहले जैसा निखार पाने में मदद कर सकता है।

फेस पैक बनाने के लिए क्या चाहिए

इस फेस पैक को बनाने के लिए आपको चाहिए एक चम्मच कच्चा दूध, एक छोटा कॉफी का पैकेट, गुलाब जल, आधा चम्मच बेसन।

फेस पैक बनाने का तरीका

फेस पैक बनाने के लिए एक कटोरी में सबसे पहले दूध डालें और इसमें कॉफी को अच्छे से मिला लें। फिर इसमें बेसन डालें अब जरूरत के मुताबिक गुलाबजल डालें और एक पेस्ट बना लें।

ध्यान रखें कि ये बहुत ज्यादा गाढ़ा ना हो।

कैसे लगाएं।

इस फेस पैक को लगाने से पहले अपने चेहरे को अच्छी तरह से धोकर साफ कर लें। फिर अपनी आंखों के नीचे काले हिस्से पर और लिप्स के आसपास लगाएं। 10 से 15 मिनट तक इसे लगा रहने दें और फिर पोंछ लें। हफ्ते में दो बार इसे लगाने पर फर्क दिखने लगेगा।

आंखों के नीचे काले घेरे और लिप्स के पास कालेपन की समस्या काफी कॉमन है। इस समस्या से निपटने के लिए आप घरेलू नुस्खे को अपना सकते हैं। यहां देखिए आंखों के नीचे काले घेरे और डार्क अपर लिप्स पर क्या लगाएं। आधुनिक जमाने में स्किन की होने वाली सबसे कॉमन समस्याओं में से एक आंखों के नीचे काले घेरे और लिप्स के पास कालेपन की दिक्कत है। ऐसा खराब लाइफस्टाइल और बढ़ते तनाव के कारण होता है। ये ना सिर्फ आपके चेहरे का निखार को कम करते हैं बल्कि इनकी वजह से कॉन्फिडेंस भी कम होता है।

फेस पैक में इस्तेमाल चीजों के फायदे

कच्चा दूध- कच्चा दूध स्किन के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। सदियों से इसका इस्तेमाल सुंदरता निखारने के लिए किया जाता है। इसमें मौजूद विटामिन, मिनरल्स और लैक्टिक एसिड स्किन को गहराई से पोषण देते हैं। यह रोमछिद्रों में जमा धूल-मिट्टी और एक्सट्रा तेल को बाहर निकालता है।

कॉफी-कॉफी न केवल आपकी नींद भगाने के काम आती है, बल्कि यह आपकी त्वचा के लिए भी एक बेहतरीन एक्सफोलिएटर और एंटीऑक्सीडेंट का काम करती है। इसमें मौजूद 'कैफीन' त्वचा में ब्लड फ्लो को बढ़ाता है, जिससे चेहरे पर तुरंत निखार आता है। कॉफी के दाने नेचुरल स्क्रब की तरह काम करते हैं। यह स्किन के डेड सेल्स को हटाकर उसे चिकना और मुलायम बनाते है।

बेसन- बेसन हर तरह की स्किन के लिए सेफ और असरदार माना जाता है। बेसन त्वचा को गहराई से साफ करने के साथ-साथ एक नेचुरल ब्लीच की तरह भी काम करता है।

गुलाब जल- गुलाब जल न केवल खुशबूदार होता है, बल्कि ये स्किन के पीएच लेवल को संतुलित करने के लिए सबसे अच्छा नेचुरल ऑप्शन है।

जनसमस्या निवारण शिविर में विधायक दीपेश साहू ने अधिकारियों को मौके पर ही दिए त्वरित समाधान के निर्देश

बेमेतरा। शासन की मंशा के अनुरूप आम जनता की समस्याओं के त्वरित निराकरण एवं जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से नगर पंचायत क्षेत्र के शासकीय उन्नतर माध्यमिक विद्यालय, भीमभौरी में जनसमस्या निवारण शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर में भीमभौरी क्लस्टर के विभिन्न गांवों से बड़ी संख्या में नागरिक अपनी समस्याएं, मांगें एवं आवेदन लेकर पहुंचे। जनसमस्या निवारण शिविर आमजन के लिए उनकी लंबित समस्याओं के समाधान का एक प्रभावी, संवेदनशील एवं भरोसेमंद मंच साबित हुआ। कार्यक्रम मे विधायक दीपेश साहू की गरिमामयी उपस्थिति रही। विधायक साहू ने शिविर में पहुंचकर स्वयं आमजन की समस्याएं गंभीरता से सुनीं तथा विभागीय अधिकारियों से प्राप्त आवेदनों एवं उनके निराकरण की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी शिकायतों का समाधान प्राथमिकता के आधार पर त्वरित, पारदर्शी एवं संवेदनशील तरीके से किया जाए, ताकि लोगों को कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर न लगाने पड़ें। शिविर में आमजन की समस्याओं एवं मांगों से संबंधित कुल 177 आवेदन प्राप्त हुए। प्राप्त आवेदनों में राजस्व, राशन कार्ड, पेंशन, आवास, पेयजल, विद्युत, स्वास्थ्य एवं सामाजिक योजनाओं से जुड़े प्रकरण प्रमुख रूप से शामिल रहे। कई आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया, जबकि शेष प्रकरणों को संबंधित विभागों को समयसीमा में निराकरण हेतु प्रेषित किया गया। अधिकारियों ने हितग्राहियों को आश्वस्त किया कि सभी आवेदनों पर गंभीरता एवं प्राथमिकता के साथ कार्रवाई की जाएगी। जनसमस्या निवारण शिविर के माध्यम से आम नागरिकों को शासन एवं प्रशासन की संवेदनशील कार्यप्रणाली का सकारात्मक अनुभव

प्राप्त हुआ। इस दौरान विधायक साहू ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया तथा मौके पर ही कई मामलों के निराकरण हेतु अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने शिक्षा विभाग के स्टॉल में स्कूली बच्चों द्वारा प्रस्तुत साइंस मॉडलों का अवलोकन कर विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया और उनकी प्रतिभा की सराहना की।शिविर को संबोधित करते हुए विधायक दीपेश साहू ने कहा कि जनसमस्या निवारण शिविर शासन और जनता के बीच सीधा संवाद स्थापित करने का सशक्त माध्यम है। यह केवल समस्याएं सुनने का मंच नहीं, बल्कि समाधान देने की शासन की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य है कि हर जरूरतमंद व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ समयबद्ध, पारदर्शी एवं बिना भेदभाव के पहुंचे। उन्होंने कहा कि प्रशासन को संवेदनशील और जवाबदेह बनाना शासन की प्राथमिकता है। हर आवेदन केवल एक कागज नहीं, बल्कि किसी नागरिक की अपेक्षा, अधिकार और विश्वास का प्रतीक है। इसलिए सभी अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि प्रत्येक शिकायत का समाधान गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ किया जाए। विधायक साहू ने प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि राज्य सरकार गरीब, किसान, मजदूर, महिला, युवा एवं बुजुर्ग सभी वर्गों के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से लोगों के जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव लाने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने नागरिकों से शासन की योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने तथा किसी भी समस्या के लिए बिना संकोच प्रशासन से संपर्क करने की अपील की।उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि और प्रशासन का दायित्व है कि वे जनता के विश्वास पर खरे उतरें तथा उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य करें। स्वच्छता पर विशेष जोर देते हुए विधायक साहू ने कहा कि स्वच्छ बेमेतरा केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हम सभी की सामूहिक भागीदारी से ही संभव है। यदि हम अपने घर, गली, मोहल्ले और गांव को स्वच्छ रखेंगे, तो पूरा क्षेत्र स्वच्छ और सुंदर बनेगा, जिससे हमारा जीवन स्तर और सोच दोनों सकारात्मक होंगे।

स्टॉलों के माध्यम से दी गई योजनाओं की जानकारी

शिविर में स्कूली शिक्षा, लोक निर्माण विभाग, पुलिस विभाग, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, वन विभाग, पशुधन विकास, श्रम विभाग, समाज कल्याण, स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, लीड बैंक, प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री सड़क योजना तथा प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) सहित विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए। इन स्टॉलों के माध्यम से नागरिकों को शासन की योजनाओं की जानकारी दी गई तथा पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया।

हितग्राहियों को वितरित किए गए प्रमाण पत्र एवं सामग्री

शिविर में मत्स्य पालन विभाग द्वारा मछुआ समितियों को जैविक दवा का वितरण किया गया, जिससे तालाबों में मछलियों के लिए प्राकृतिक भोजन उपलब्ध होगा और उत्पादन में वृद्धि होगी। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत हितग्राहियों को गृह प्रवेश कराते हुए आवास की चाबी सौंपी गई। नोनी सुरक्षा योजना के तहत बालिकाओं को एलआईसी बीमा बांड प्रमाण पत्र वितरित किए गए। सुकन्या समृद्धि योजना के अंतर्गत खाताधारकों को पासबुक प्रदान की गई। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के हितग्राहियों को सम्मानित किया गया तथा पात्र हितग्राहियों को राशन कार्ड एवं आयुष्मान कार्ड वितरित किए गए।

मेधावी विद्यार्थियों का हुआ सम्मान

कार्यक्रम के दौरान कक्षा 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को विधायक दीपेश साहू द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि शिक्षा ही सफलता का सबसे सशक्त माध्यम है तथा निरंतर मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास से हर लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। जनसमस्या निवारण शिविर ने न केवल आमजन की समस्याओं के समाधान का मार्ग प्रशस्त किया, बल्कि शासन और जनता के बीच विश्वास को भी और अधिक मजबूत किया।

महतारी वंदन ई-केवाईसी में अनियमितता पर कार्रवाई, कबीरधाम में 6 सीएससी आईडी किए गए बंद

कवर्धा। जिले में महतारी वंदन योजना के तहत ई-केवाईसी कार्य तेजी से जारी है। जिला प्रशासन के निर्देशानुसार सभी विभागीय सीएससी वीएलई को पंचायत भवन एवं वार्ड कार्यालयों में निर्धारित समयावधि के दौरान उपस्थित रहकर हितग्राहियों का ई-केवाईसी कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को भी हितग्राहियों को केंद्र तक लाने और प्रक्रिया में सहयोग करने के लिए जिम्मेदारी सौंपी गई है। कलेक्टर गोपाल वर्मा ने विभागीय अधिकारियों को पंचायतों में समय-समय पर निरीक्षण कर कार्यों की समीक्षा के निर्देश दिए हैं। अनियमितता की शिकायतें प्राप्त होने पर जांच उपरांत

जिले के 6 सीएससी वीएलई आईडी निष्क्रिय की गई हैं। जिसके तहत बोड़ला में 1, कवर्धा में 4 और पंडरिया में 1 सहित कुल 6 सीएससी आईडी शामिल हैं। कलेक्टर ने विभागीय अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि महतारी वंदन योजना के ई केवायसी में किसी प्रकार की अनियमितता बर्दाश्त नहीं होगी और संबंधित के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिन हितग्राहियों के आधार विवरण में त्रुटियां पाई गई हैं, उनका सुधार परियोजना कार्यालय द्वारा 2 से 3 दिवस के भीतर कराया जा रहा है, जिसके बाद पुनः ई-केवाईसी प्रक्रिया पूर्ण की जा रही है। वर्तमान में सर्वर संबंधी किसी प्रकार की समस्या नहीं है और जिले में लगभग 83 प्रतिशत हितग्राहियों का ई-केवाईसी कार्य पूरा किया जा चुका है। कबीरधाम जिला महतारी वंदन योजना ई-केवाईसी कार्य में पूरे छत्तीसगढ़ में तीसरे स्थान पर है। निर्धारित समय सीमा में शेष केवायसी पूर्ण करने के लक्ष्य के साथ काम किया जा रहा है।

अनियमितता की शिकायत के लिए फोन नंबर किया गया जारी

जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यदि किसी वीएलई द्वारा ई-केवाईसी के नाम पर राशि की मांग या किसी प्रकार की अनैतिक गतिविधि की जाती है, तो इसकी जानकारी सीएससी जिला प्रबंधक कबीरधाम महेंद्र साहू के मोबाइल नंबर 9630868510 पर दी जा सकती है, ताकि संबंधित के विरुद्ध उचित कार्रवाई की जा सके।

कबीर साहेब द्वार व मठ हेतु 51 लाख स्वीकृत, विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह ने दी सौगात

कबीरमठ के लिए 51 लाख रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति

डोंगरगांव नगर। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने विभिन्न हितग्राहियों को मुख्यमंत्री आर्थिक सहायता राशि का चेक वितरित किया। डॉ. सिंह ने ब्लॉक के कबीरमठ नादिया में कबीर साहेब द्वार कार्य हेतु मुख्यमंत्री घोषणा अंतर्गत 40 लाख रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की तथा

कबीर साहेब मठ ट्रस्ट नादिया को मुख्यमंत्री आर्थिक सहायता राशि के तहत 11 लाख रूपए की स्वीकृति दी। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सिंह ने ब्लॉक के ग्राम आलीखुंटा निवासी नोमेश कुमार साहू, गोदावरी बाई, नम्मूलाल साहू को 30-30 हजार रूपए की सहायता राशि का चेक प्रदान किया। इस मौके पर महापौर मधुसूदन यादव, अध्यक्ष राजगामी संपदा न्यास पुर्णिमा साहू, कोमल सिंह राजपूत, कलेक्टर जितेन्द्र यादव, अपर कलेक्टर सीएल मारकण्डेय सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

आंधी-बारिश के बीच गूंजे जय भक्त माता कर्मा के जयकारे, हजारों श्रद्धालुओं की मौजूदगी ने रचा इतिहास

बेमेतरा। ग्राम पंचायत नारायणपुर में साहू समाज द्वारा आयोजित भक्त शिरोमणि माता कर्मा जयंती एवं भव्य कर्मा महोत्सव ने सामाजिक एकता, धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक गौरव का ऐसा विराट दृश्य प्रस्तुत किया, जिसने पूरे क्षेत्र में नई मिसाल कायम कर दी। तेज आंधी-तूफान और खराब मौसम भी श्रद्धालुओं की आस्था को डिगा नहीं सका। हजारों लोगों की भारी भीड़ ने यह साबित कर दिया कि माता कर्मा के प्रति साहू समाज की श्रद्धा अटूट, अडिग और अविचल है। पूरा गांव भक्तिमय वातावरण, जयकारों और सांस्कृतिक उल्लास से गूंजता रहा। कार्यक्रम की शुरुआत कर्मा मंदिर में विधिवत कलश स्थापना, पूजा-अर्चना एवं मंगल पाठ के साथ हुई। इसके बाद देर रात तक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। रामनगर भिलाई की प्रसिद्ध पुष्पा साहू कृत लोक कला मंच नवा किसान ने शानदार छत्तीसगढ़ी लोकगीत, लोकनृत्य और पारंपरिक प्रस्तुतियों से उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। कलाकारों की दमदार प्रस्तुतियों पर देर रात तक तालियों की गड़गड़ाहट सुनाई देती रही। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नारद साहू, जिला अध्यक्ष जिला साहू संघ बेमेतरा ने कहा कि प्रकृति ही

भगवान का वास्तविक स्वरूप है तथा भूमि, गगन, वायु, अग्नि और नीर जैसे पंचतत्वों से ही जीवन और सृष्टि का निर्माण हुआ है। उन्होंने कहा कि आंधी-तूफान के बीच कार्यक्रम का सफल आयोजन माता कर्मा की विशेष कृपा और समाज की अटूट आस्था का जीवंत प्रमाण है। उन्होंने साहू समाज के गौरवशाली इतिहास का उल्लेख करते हुए कहा कि समाज ने हमेशा मेहनत, त्याग, सेवा और संस्कार की परंपरा को आगे बढ़ाया है। उन्होंने भामाशाह के त्याग, भक्त माता कर्मा की भक्ति और सत्यनारायण बाबा की तपस्या को समाज की प्रेरणा बताते हुए कहा कि साहू समाज सदैव राष्ट्र और समाजहित में अग्रणी भूमिका निभाता आया है। साहू कामहू नहीं तो काला खाहू कहावत समाज की मेहनतकश पहचान और कर्मशील परंपरा को दर्शाती है। नारद साहू ने कहा कि छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री अरूण साव तथा देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का साहू समाज से होना पूरे समाज के लिए गर्व और सम्मान का विषय है। उन्होंने समाज को शिक्षा, संगठन और संस्कृति से जुड़कर आगे बढ़ने का संदेश दिया। कार्यक्रम में गौतम साहू, अध्यक्ष तहसील साहू संघ नांदघाट, अखिलेश साहू, अध्यक्ष परिक्षेत्रीय साहू संघ टेमरी, बेनूराम साहू, महासचिव जिला साहू संघ बेमेतरा, रामकुमार साहू, कोषाध्यक्ष जिला साहू संघ बेमेतरा, भारत साहू, संयोजक सांस्कृतिक प्रकोष्ठ जिला साहू संघ बेमेतरा, गोकुल साहू, संयोजक युवा प्रकोष्ठ जिला साहू संघ बेमेतरा, ताम्रध्वज साहू, मीडिया प्रभारी जिला साहू संघ बेमेतरा, शीलू साहू, संयोजिका महिला प्रकोष्ठ तहसील साहू संघ बेमेतरा, ममता साहू, सचिव महिला प्रकोष्ठ जिला साहू संघ बेमेतरा, अनिल साहू, सह सचिव तहसील साहू संघ बेमेतरा, डॉ. नरेंद्र साहू, संगठन सचिव तहसील साहू संघ नांदघाट, बिसाहूराम साहू, सरपंच ग्राम पंचायत नारायणपुर, नूतन साहू, उपाध्यक्ष जिला साहू संघ बेमेतरा, लक्ष्मीबाई साहू, संयोजिका महिला प्रकोष्ठ बेमेतरा, सनत साहू, उपाध्यक्ष तहसील साहू संघ नांदघाट, महेश्वर साहू, ग्रामीण अध्यक्ष टेमरी, खेमलाल साहू, ग्रामीण अध्यक्ष चिचोली, मनहरण साहू, कोषाध्यक्ष तहसील साहू संघ नांदघाट, श्याम सुंदर साहू, उपाध्यक्ष परिक्षेत्र टेमरी, साहेब दास, अध्यक्ष परिक्षेत्रीय साहू संघ संबलपुर सहित बड़ी संख्या में सामाजिक पदाधिकारी, महिला प्रकोष्ठ, युवा प्रकोष्ठ एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन मनोज कुमार साहू ने किया। वहीं आयोजन समिति के पंकज साहू (अध्यक्ष), रामेश्वर साहू (सचिव), रामकुमार साहू (कोषाध्यक्ष), तखत साहू (महिला उपाध्यक्ष), कुमारी साहू (महामंत्री), सेवक साहू (सलाहकार), रामचरण साहू (सदस्य), रुक्मणी साहू एवं राजकुमारी साहू ने आयोजन को ऐतिहासिक और सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। नारायणपुर में आयोजित यह कर्मा महोत्सव केवल धार्मिक आयोजन बनकर नहीं रहा, बल्कि साहू समाज की सामाजिक चेतना, सांस्कृतिक अस्मिता, संगठन शक्ति और सामूहिक एकजुटता का विराट प्रतीक बनकर उभरा।

पत्रकार ताम्रध्वज साहू को जिला साहू संघ बेमेतरा का जिला मीडिया प्रभारी नियुक्त

बेमेतरा। जिला साहू संघ बेमेतरा द्वारा युवा पत्रकार, समाजसेवी एवं तेजतर्रार मीडिया कर्मी ताम्रध्वज साहू को जिला मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया है। इस महत्वपूर्ण नियुक्ति से पूरे साहू समाज में गर्व, उत्साह और खुशी का माहौल है। समाज के लोगों ने इसे संगठन को नई दिशा देने वाला ऐतिहासिक निर्णय बताया है। ताम्रध्वज साहू लंबे समय से निष्पक्ष पत्रकारिता, सामाजिक जागरूकता, जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाने एवं समाज सेवा में सक्रिय भूमिका निभाते आ रहे हैं। उनकी निर्भीक कलम, सामाजिक सरोकारों के प्रति समर्पण तथा संगठनात्मक सक्रियता को देखते हुए जिला साहू संघ बेमेतरा ने उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। समाज के वरिष्ठजनों, युवाओं एवं पदाधिकारियों ने विश्वास जताया है कि उनके नेतृत्व में जिला साहू संघ की गतिविधियाँ, समाज की आवाज़ और सामाजिक एकता की भावना और अधिक मजबूत होगी। साथ ही समाज की संस्कृति, परंपरा एवं सम्मान को नई पहचान मिलेगी। इस अवसर पर समाज के अनेक लोगों ने ताम्रध्वज साहू को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि आज के दौर में पत्रकारिता केवल खबर लिखने तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज की आवाज़ को शासन-प्रशासन तक पहुँचाने का सबसे सशक्त माध्यम बन चुकी है, और ताम्रध्वज साहू इस जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निभा रहे हैं। जिला साहू संघ बेमेतरा द्वारा दी गई इस नई जिम्मेदारी के लिए ताम्रध्वज साहू को हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएँ।

सड़क बनी, नाली अधूरी : वार्डवासियों में आक्रोश, हादसे की आशंका

बेमेतरा। जिले के नवागढ़ नगर पंचायत के वार्ड क्रमांक 13 में सड़क निर्माण कार्य तो पूरा कर दिया गया, लेकिन नाली निर्माण अधूरा छोड़ दिए जाने से स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी देखने को मिल रही है। करीब दो माह पहले सड़क का निर्माण किया गया था, वहीं नाली बनाने के नाम पर सड़क के दोनों ओर गहरी खुदाई कर छोड़ दी गई है। इससे क्षेत्र में दुर्घटना की आशंका लगातार बनी हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अधूरी नाली के कारण घरों तक पहुंचना भी मुश्किल हो गया है। कई परिवारों ने आने-जाने के लिए लकड़ी और अस्थायी पुल का सहारा लिया हुआ है। ग्रामीणों का आरोप है कि जिम्मेदार अधिकारी और जनप्रतिनिधि अब तक मौके

पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लेने तक नहीं आए हैं। युवा कांग्रेस एवं एनएसयूआई के सक्रिय नेता परमेश्वर पात्रे ने अधूरे निर्माण कार्य पर नाराजगी जताते हुए कहा कि नाली निर्माण में लापरवाही बरती जा रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही कार्य पूरा नहीं कराया गया तो आगामी दिनों में उग्र स्तरीय प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह मार्ग नवागढ़ को तोरा, बरबसपुर, बाघुल, बघली, टुरासिमरिया और अंधियारखोर जैसे बड़े गांवों से जोड़ता है। सड़क के दोनों ओर पानी भरे रहने से नई सड़क समय से पहले ही क्षतिग्रस्त हो सकती है। इसकी पूरी जिम्मेदारी नगर पंचायत प्रशासन की होगी। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द से जल्द नाली निर्माण कार्य पूरा कराने और क्षेत्र में सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करने की मांग की है।

सौगातों भरा रहा ग्राम मंगलतराई में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर

शासन के जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित होकर प्रसन्नचित हुए हितग्राही, सुशासन तिहार के आयोजन की सराहना की

बालोद। सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत डौंडी ब्लॉक के सुदूर वनांचल के ग्राम मंगलतराई में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर ग्राम पंचायत मंगलतराई सहित मंगलतराई कलस्टर में शामिल आसपास के 12 ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों एवं हितग्राहियों के लिए सौगातों भरा रहा। इस अवसर पर उपस्थित ग्रामीणों एवं हितग्राहियों को शासन के विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किया गया। हाई स्कूल मैदान मंगलतराई में आयोजित शिविर में अपर कलेक्टर अजय किशोर लकरा, जनपद अध्यक्ष मुकेश कौड़ो, जनपद उपाध्यक्ष भोलाराम नेताम, नगर पंचायत डौण्डीलोहारा के अध्यक्ष लाल निवेन्द्र सिंह टेकाम, जिला पंचायत सदस्य मिथलेश निरोटी, जनप्रतिनिधि मनीष झा, जनपद सदस्य तुलेश्वर हिचामी सहित अन्य अतिथियों के द्वारा स्वामीत्व योजना अंतर्गत 15 हितग्राहियों को अधिकार अभिलेख का वितरण, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत 11 हितग्राहियों को आवास पूर्णता प्रमाण पत्र, 10 हितग्राहियों को मनरेगा जॉब कार्ड, 08 हितग्राहियों को श्रवण यंत्र, 08 हितग्राहियों को बैटरी स्प्रेयर, 04 हितग्राहियों को नया राशन कार्ड, मत्स्य पालन प्रसार योजना अंतर्गत 02 हितग्राहियों को जाल एवं आईस बॉक्स वितरण, 05 हितग्राहियों को वृद्धा पेंशन का स्वीकृति आदेश के अलावा शासन के अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किया गया।

गर्भवती माताओं को की गई सुपोषण किट भेंट

इसके अलावा शिविर में राज्य शासन के निर्देशानुसार दिव्यांगजनों को दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनाने हेतु मेडिकल बोर्ड लगाया गया था। इस दौरान मेडिकल बोर्ड में शामिल विशेषज्ञ चिकित्सकों के द्वारा शिविर में दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनाने पहुँचे दिव्यांगजनों का दिव्यांगता प्रमाण पत्र भी बनाया गया। इस अवसर पर शासन के विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित होने वाले हितग्राहियों एवं ग्रामीणों ने सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत ग्राम मंगलतराई में आयोजित इस जनसमस्या निवारण शिविर की भूरी-भूरी सराहना की। शिविर में अतिथियों के द्वारा नन्हें-मुन्हें बच्चों को स्वादिष्ट खीर खिलाकर उनका अन्नप्राशन संस्कार कराया गया। इसके अलावा गर्भवती माताओं को सुपोषण किट भेंटकर उनके गोदभराई के रस्म को पूरा किया गया। इस अवसर जनपद अध्यक्ष मुकेश कौड़ो ने बाल विवाह को एक सामाजिक अपराध बताते हुए शिविर में उपस्थित लोगों को बाल विवाह के रोकथाम के कार्य में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने की शपथ भी दिलाई। ग्राम मंगलतराई में आयोजित शिविर में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 205 आवेदन प्राप्त हुए थे जिसमें से 105 आवेदनों को मौके पर निराकरण सुनिश्चित किया गया।

105 आवेदनों का किया गया निराकरण

इस अवसर पर अतिथियों के द्वारा छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल द्वारा आयोजित कक्षा 10वीं एवं 12वीं की परीक्षा में उत्कृष्ट अंक अर्जित कर प्रावीण्य सूची में स्थान में बनाने वाले मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान भी किया गया। उल्लेखनीय है कि मंगलतराई में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में ग्राम पुत्तरवाही, नर्राटोला, मरदेल, लिमऊडीह, कुसुमकसा, मनेवा, सिंघोला, बेलोदा, चिहरो, मंगलतराई, अमाडुला और घोटिया सहित 12 ग्राम पंचायतों के ग्रामीण जन शामिल हुए थे। शिविर में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग को 94, राजस्व विभाग को 27 एवं वन विभाग को 28 सहित विभिन्न विभागों से प्राप्त कुल 205 आवेदन में से 105 आवेदनों का निराकरण किया गया।

योजनाओं का लाभ उठाने की अपील

शिविर को संबोधित करते हुए जनपद अध्यक्ष मुकेश कौड़ो ने शिविर में उपस्थित ग्रामीणों को सुशासन तिहार 2026 के आयोजन के उद्देश्यों के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार के द्वारा समाज के सभी वर्गों के विकास के लिए अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मंशानुरूप छत्तीसगढ़ सरकार के द्वारा आम जनता के बीच पहुँचकर उनके वास्तविक मांगों एवं समस्याओं से रूबरू होने के लिए सुशासन तिहार का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान जमीनी स्तर पर शासन के जनकल्याणकारी योजनाओं का आकलन करने के अलावा आम जनता से प्राप्त आवेदनों का समुचित निराकरण भी सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने आम नागरिकों से शिविर में उपस्थित होकर शासन के जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने की भी अपील की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जनपद उपाध्यक्ष भोलाराम नेताम ने इस भीषण गर्मी में भी जनसमस्या निवारण शिविर में ग्रामीणों की बड़ी संख्या में उपस्थिति पर प्रसन्नता व्यक्त की। इस अवसर पर उन्होंने शिविर में उपस्थित जनप्रतिनिधियों के अलावा अधिकारी-कर्मचारियों का हार्दिक अभिनंदन एवं स्वागत भी किया। उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों से आम जनता से प्राप्त आवेदनों का पूरी तत्परता से निराकरण सुनिश्चित करने को कहा।

जनकल्याणकारी योजनाएं की जा रही संचालित

जिला पंचायत सदस्य मिथलेस निरोटी ने सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को जनसमस्या निवारण शिविरों में अनिवार्य रूप से अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करने को कहा। इस अवसर पर उन्होंने क्षेत्र के प्रमुख मांगों की ओर आला अधिकारियों की ध्यान आकृष्ट भी कराया। वरिष्ठ जनप्रतिनिधि मनीष झा ने सुशासन तिहार के उद्देश्यों के संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए कृतसंकल्पित है। जिसे ध्यान में रखते हुए अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही है। उन्होंने कहा कि सुशासन तिहार के माध्यम से शासन-प्रशासन के प्रतिनिधियों के द्वारा आम जनता के बीच पहुँचकर शासन के जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की पड़ताल की जा रही है। इस अवसर पर जनपद सदस्य तुलेश्वर हिचामी एवं अन्य जनप्रतिनिधियों ने शिविर को संबोधित करते हुए सभी विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों से आम जनता से प्राप्त आवेदनों का पूरी संवेदनशीलता एवं तत्परता से निराकरण सुनिश्चित करने को कहा। शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के द्वारा अपने-अपने विभागों के विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के अलावा मंगलतराई शिविर में प्राप्त कुल आवेदन एवं उनके निराकरण की स्थिति की जानकारी दी।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com